यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN HINDI MONTHLY - MARCH 2026
VOL. 24 ISSUE 9 - 28 PAGES - RS. 21/-

मार्च 2026

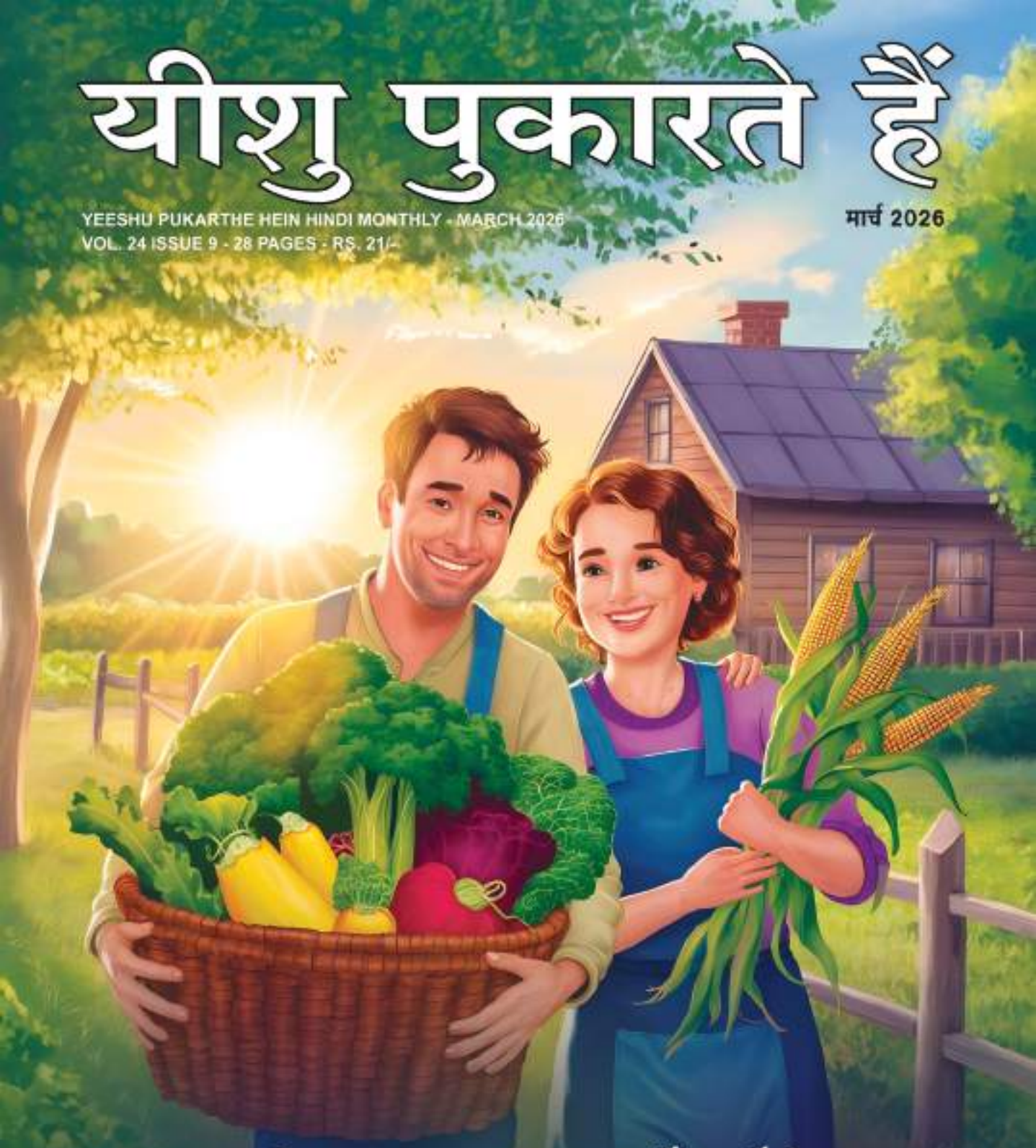

वे घर बनाकर उन में बसेंगे;
वे दाख की बारियां लगाकर
उनका फल खाएंगे।
(यशायाह 65:21)

परीक्षा प्रार्थना सभा 2026

यीशु बुलाता है परीक्षा प्रार्थना सभा 2026 रविवार, 1 फरवरी 2026 को चेन्नई के सेंट जॉर्ज स्कूल ग्राउंड में हुई, जिसमें अलग-अलग इंस्टीट्यूशन से चार हजार छात्रागण शामिल हुए। इस सभा का मकसद छात्रगण को सिर्फ विश्वास के साथ नहीं, बल्कि ''विश्वास'' के साथ अपने परीक्षा देने के लिए तैयार करना था।

डॉ पॉल दिनाकरन की प्रार्थनाओं से राज्य को तीसरा स्थान मिला

सभा की शुरुआत स्टेल्ला रमोला और डेनियल डेविडसन की अगुवाई में आराधना के एक जोशीले समय से हुई, जिससे एकता, विश्वास और आत्मा तैयारी का माहौल बना।

कारुण्या यूनिवर्सिटी के छात्रागण ने समय की समझदारी और मकसद से इस्तेमाल करने के लिए बढावा देते हुए एक सोचने पर मजबूर करने वाला स्किट पेश किया।

इंटरैक्टिव गवाहियों सेशन के दौरान, भाई सैमूएल दिनाकरन ने छात्रगण को अपने अनुभव बाँटने के लिए बुलाया और इस बात पर जोर दिया कि सच्ची सफलता मसीह के जरिए मिलती है। 11 वी क्लास के छात्र, इवेंजेलिन ने एक बहुत ही प्रेरित गवाही शेयर की, जो अपनी 10 वी की पब्लिक परीक्षा को लेकर डर से परेशान थी। वह 15 जनवरी, 2025 को अड्यार में पार्टनर्स मीटिंग में शामिल हुई। जब डॉ पॉल दिनाकरन ने उसके लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसकी चिंता को शांति से बदल दिया। उसने 497/500 नंबर स्कोर किए और स्कूल फर्स्ट, डिस्ट्रिक्ट फर्स्ट, राज्य में शतप्रतिशत के साथ 3rd **रैंक और गवर्नमेंट मेरिट स्कॉलरशिप हासिल की।**

डॉ पॉल दिनाकरन ने एक दमदार संदेश दिया, जिसमें छात्रगण से कहा, खडे.रहो और परमेश्वर तुम्हारे लिए लडेंगे' और उन्हें उनकी एकेडमिक यात्रा में परमेश्वर की मौजूदगी का भरोसा दिलाया। उन्होंने उन्हें परमेश्वर की समझ और ताकत पर पूरा भरोसा करने के लिए हिम्मत दी, और अपनी परीक्षा की तैयारी और उनका सामना करने के लिए परमेश्वर की अगुवाई देने का वादा किया।

2026 के लिए स्मृति चिन्ह यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री के 63 साल पूरे होने पर रिलीज किया गया, जो दशकों की वफादार सेवा और असर को दिखाता है।

बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन ने छात्रागण के लिए दिल से प्रार्थना की, और कहा कि वे परमेश्वर की ताकत से भर जाएं, चंगाई पाएं, और अपने परिवारों में आशीर्वाद महसूस करें।

डॉ पॉल दिनाकरन और उनके परिवार की तरफ से सभा हर छात्र के लिए प्रार्थना के साथ खत्म हुई। छात्रागण हिम्मत से भरे, आत्मिक मजबूती और भरोसे के साथ निकले क्योंकि वे मसीह के जरिए जीत के साथ अपनी परीक्षा का सामना करने के लिए तैयार थे।

बैतहसदा विशेष आशीष सभा

बैतहसदा आशीष सभा में परमेश्वर की शक्तिशाली उपस्थिति देखी गई, जब भारत भर से 5000 से अधिक लोग आशा के साथ एकत्रित हुए। वातावरण आराधना, प्रार्थना और विश्वास के नवीनीकरण से भरा हुआ था। सैमूएल दिनाकरन ने भजन संहिता 18:2 से उपदेश दिया, जिसमें उन्होंने प्रभु को हमारी चट्टान और शक्तिशाली गढ़ बताया, जो अपने लोगों को प्रेम से घेरे रखता है और उद्धार प्रदान करता है। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से भी बातचीत की और पिछली सभाओं में परमेश्वर की वफादारी के अनुभवों की गवाहियाँ सुनीं।

सभा का समापन डॉ पॉल दिनाकरन के मीका 2:13 से उपदेश के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने घोषणा की कि प्रभु अपने लोगों के आगे-आगे चलता है, बंधनों को तोड़ता है, जंजीरों को चकनाचूर करता है, बीमारों को चंगा करता है, बाधाओं को दूर करता है और क्रूस की विजय के द्वारा जीवन को पुनर्स्थापित करता है। उनकी प्रार्थना के दौरान, कई लोगों ने चंगाई, मुक्ति और पुनर्स्थापन का अनुभव किया, जिसकी पुष्टि गवाहियों से हुई।

ऐसी ही एक गवाही सोमनूर की बहन कमला की थी, जो हृदय रोग और लकवे के दौरे से पीड़ित थीं, जिससे उसका बायां हाथ प्रभावित हुआ था। वह अत्यंत पीड़ा में प्रार्थना सभा में आई थीं। प्रार्थना करते ही परमेश्वर ने उसे गहन स्पर्श दिया और उसे पूर्णतः चंगा कर दिया, उसकी पीड़ा दूर कर दी और उसका स्वास्थ्य बहाल कर दिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से परमेश्वर के महान नाम की महिमा हुई।

इसके बाद बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन ने पवित्र आत्मा के नए प्रवाह के लिए अभिषेकित प्रार्थना की। करुणा से भरे भावों में व्यक्तिगत प्रार्थनाएँ की गईं और परमेश्वर के नाम की महिमा हुई।

उससे पहले उसी सुबह, रविवार की सभा में, सैमूएल दिनाकरन ने लगभग 1000 लोगों को यूहन्ना 4:24 से संदेश दिया, जिसमें उन्होंने सच्चे उपासक बनने के लिए परमेश्वर के आह्वान पर बल दिया, जो आत्मा और सच्चाई से उपासना करते हैं। प्रभु के भय और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने विश्वासियों को परमेश्वर के वचन में निहित धर्मी जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। सभा का समापन विश्वास, आनंद और शांति से भरे हृदयों के साथ हुआ।

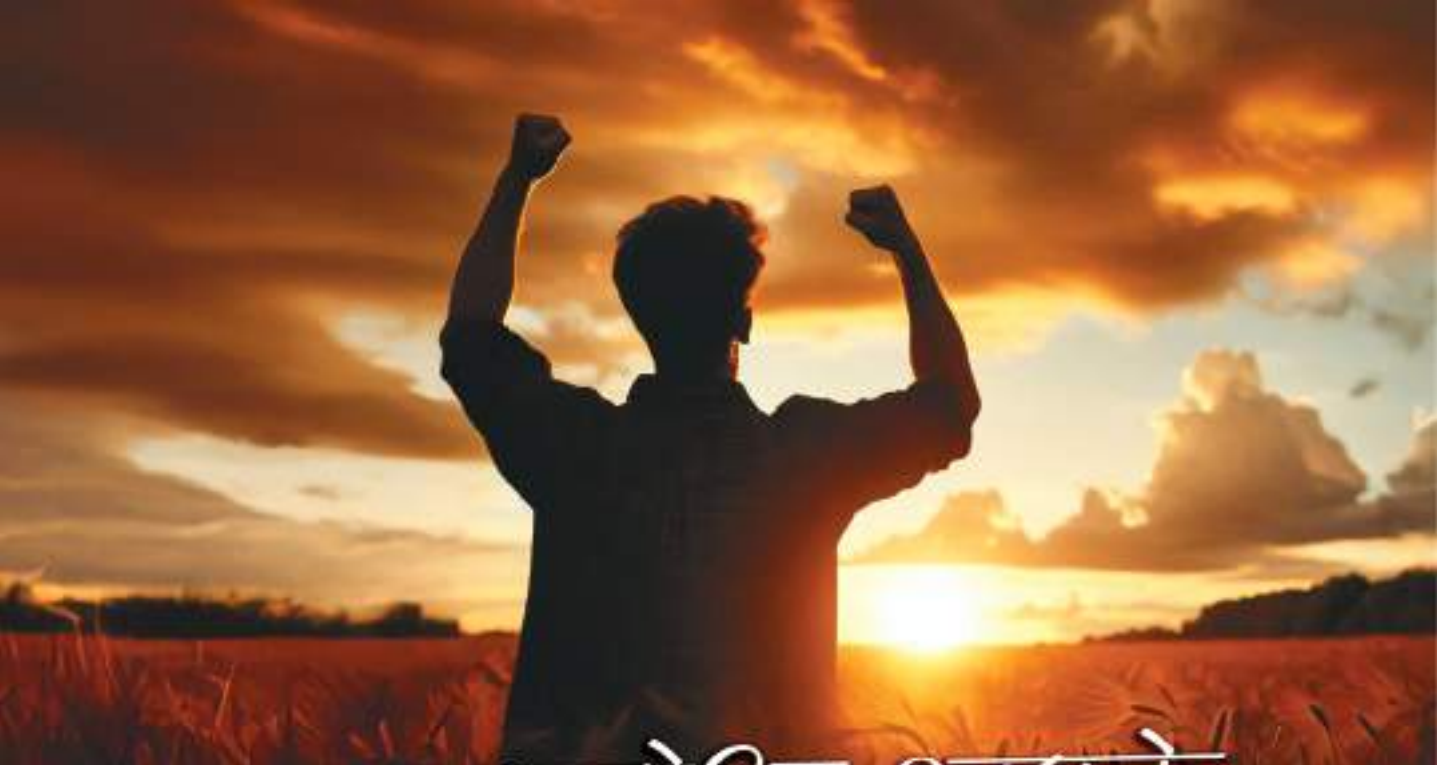

क्या परमेश्वर आपके लिए न्याय करेगा?

प्रिय मित्र, इस महीने के लिए परमेश्वर का वादा यशायाह 30:18 से है,
'क्योंकि यहोवा न्याय का परमेश्वर है;
धन्य है वे सब जो उसकी बाट जोहते है।'
यह आश्वासन आज आपके दिल को मजबूत करे।

हमारा परमेश्वर न्याय का परमेश्वर है। वह एक धर्मी न्यायी है जो अपने लोगों की पुकार को कभी नजरअंदाज नहीं करता। जब हम प्रभु की बाट जोहते हैं, तो वह हमारी ओर से काम करता है। वह हमारे जीवन में, हमारे परिवारों में, हमारे समुदायों में, और हर उस परिस्थिति में न्याय लाता है जो हमसे संबंधित है। इसलिए, डरो मत। परमेश्वर आपको निर्दोष ठहराएगा, आपको आनंदित करेगा, और अपने सही समय पर आपके जीवन में सम्मान लाएगा। जब वह आपके लिए न्याय करेगा, तो आपके आस-पास के लोग देखेंगे कि आप कितने धर्मी, निर्दोष और परमेश्वर के इनाम के योग्य हैं। आइए देखें कि वे कौन लोग हैं जिन्हें परमेश्वर अपने न्याय से सहारा देता है।

परमेश्वर के संतों के लिए न्याय

सबसे पहले, वह अपने संतों के लिए न्याय करता है। भजन 37:28 कहता है, **'क्योंकि यहोवा न्याय से प्रीति रखता; और अपने भक्तों को न तजेगा। उनकी तो रक्षा सदा होती है।'** जो लोग उसकी इच्छा के अनुसार चलते हैं, उन्हें कभी नहीं छोड़ा जाता। आप परमेश्वर के संत हैं, अलग किए गए हैं, उससे प्यार करते हैं, और अपने जीवन में उसकी उपस्थिति रखते हैं। क्योंकि आप उसके हैं, इसलिए उसका न्याय आपको घेरे रहता है।

उसके संतों के लिए न्याय स्पष्ट रूप से उनके जीवन की सुरक्षा के रूप में देखा जाता है, जिसे यिर्मयाह 17:7-8 में खूबसूरती से दर्शाया गया है: 'धन्य है वह पुरुष जो यहोवा पर भरोसा रखता है, जिसने परमेश्वर को अपना आधार

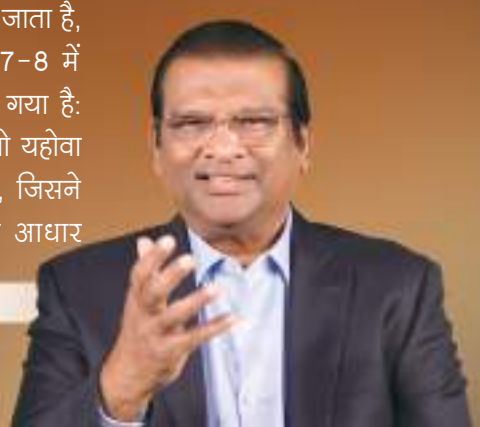

माना हो। वह उस वृक्ष के समान होगा जो नदी के तीर पर लगा हो और उसकी जड.जल के पास फैली हो; जब घाम होगा तब उसको न लगेगा, उसके पत्ते हरे रहेंगे, और सूखे वर्ष में भी उनके विषय में कुछ चिन्ता न होगी, क्योंकि वह तब भी फलता रहेगा।' ऐसा व्यक्ति गर्मी आने पर नहीं डरता; उसके पत्ते हरे रहते हैं, और वह सूखे में भी फल देता रहता है। इसी तरह, परमेश्वर अपने संतों को मजबूती से स्थापित करता है। कमी, अनिश्चितता, वैश्विक संकट या झूठे आरोपों के समय में भी, वह यह सुनिश्चित करता है कि उसके लोग कमी में न रहें या अन्यायपूर्ण परिस्थितियों से बंधे न रहें। उसका न्याय उन्हें डर से बचाता है और पूरे जीवन उनका साथ देता है।

यहाँ एक गवाही है जो इसे सच साबित करती है: कई सालों से, मुझे यीशु बुलाता है में प्रार्थना मध्यस्थ के रूप में सेवा करने का सौभाग्य मिला है। जब मैं अनगिनत लोगों के लिए मध्यस्थता करता हूँ और दूसरों के लिए प्रार्थना करता हूँ, तो मैंने व्यक्तिगत रूप से अपने परिवार में और दूसरों के जीवन में भी परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ को देखा है। मेरी जिंदगी के सबसे बुरे दौर में से एक तब आया जब मेरा प्यारा बेटा बहुत बीमार पड.गया। छह लंबे महीनों तक, वह पूरी तरह से बिस्तर पर पड़ा रहा, अपने आप खड़ा नहीं हो पाता था और न ही चल पाता था। मेडिकल रिपोर्ट में कोई उम्मीद नहीं थी, और हमारे घर पर निराशा छा गई थी। फिर भी, एक मध्यस्थ के तौर पर, मैंने परमेश्वर के वचन पर भरोसा करने का फैसला किया। दिन-रात, मैंने यीशु बुलाता है में प्रभु के सामने अपना दिल खोलकर रख दिया, और दूसरे मध्यस्थों के साथ प्रार्थना और उपवास किया। साथ मिलकर, हम यशायाह 53:5 के वादे पर खड़े.रहे, यह ऐलान करते हुए कि उसके जख़्मों से मेरा बेटा ठीक हो गया है। फिर, एक आम दिन, परमेश्वर ने कुछ असाधारण किया। अचानक मेरे बेटे के पैरों में ताकत आ गई। वह खड़ा हुआ, चलने लगा, और जल्द ही उसने अपना काम फिर से शुरूकर दिया। आज, मेरा बेटा मजबूत और स्वस्थ खड़ा है, परमेश्वर की महिमा के लिए एक जीता-जागता गवाह। परमेश्वर का ठीक करने का काम यहीं खत्म नहीं हुआ। पंद्रह दर्दनाक सालों तक, एक गहरी दरार ने मुझे मेरी बहू से अलग कर दिया था। चुप्पी, गलतफहमी और कड़वाहट ने ऐसी दीवारें बना दी थीं जिन्हें तोड़ना नामुमकिन लगता था, जिससे हमारे परिवार से शांति और खुशी छिन गई थी। लेकिन अपने सही समय पर, परमेश्वर ने उसका दिल नरम कर दिया। एक शाम, वह रोते हुए मेरे पास आई, माफी और सुलह के लिए। दुश्मन ने जो बंटवारे के लिए सोचा था, परमेश्वर ने उसे प्यार और एकता की गवाही में बदल दिया। आज, हम एक खुशहाल परिवार के तौर पर रहते है, साथ हंसते है, साथ प्रार्थना करते है, और कंधे से कंधा मिलाकर प्रभु की सेवा करते है।

- श्रीमती जोसेफ, श्रीलंका

क्या आप भी एक ऐसे संत हैं जो परमेश्वर की सुनते हैं और सभी बातों में उसकी इच्छा पूरी करने की कोशिश करते हैं? अगर ऐसा है, तो वह वादा करता है कि मुश्किल समय में वह आपकी रक्षा करेगा और सबसे बडी चुनौतियों के बीच भी आपको सफल बनाएगा। आज, परमेश्वर का न्याय यीशु के नाम पर आपके पास आ रहा है।

हम देखते हैं कि यीशु के जीवन में; सारी सृष्टि के प्रभु को गलत आरोपों का सामना करना पडा, यहाँ तक कि सूली पर चढाने तक। किसी ने भी सच में प्रभु का बचाव नहीं किया। उसने अपने ही धोखेबाज.के पैर धोए, उसने उसके साथ रोटी और दाखरस बांटी और फिर भी यह अनंत उद्देश्य को पूरा होने से नहीं रोक पाया। पिलातुस के पास यीशु को रिहा करने की शक्ति थी, लेकिन उसने अपने हाथ धो लिए और लोगों को अपनी मर्जी करने दी। इस तरह दुनिया की न्याय व्यवस्था कभी-कभी काम करती है, खासकर नेक लोगों के लिए। हालांकि दुनिया में ऐसा अन्याय होता दिख रहा था, लेकिन इसकी इजाजत इसलिए दी गई ताकि परमेश्वर की तरफ से हमेशा रहने वाला न्याय इंसानों

तक पहुँचे (यशायाह 9:7)। इसी तरह, आपकी जिंदगी में भी अन्याय वाली स्थितियाँ सिर्फ.कुछ समय के लिए रहेंगी। जब परमेश्वर न्याय करेंगे, तो वह हमेशा रहेगा और यह उनका काम होगा। वह न सिर्फ.बेगुनाहों को दुख से आजाद करेंगे, बल्कि सही समय पर उन्हें प्रतिफल भी देंगे।

धर्मी लोगों के लिए न्याय

दूसरा, परमेश्वर अपने सेवकों की नेकी को दूसरों के सामने लाकर न्याय करते हैं। यशायाह 58:8 वादा करता है, 'तब तेरा प्रकाश पौ फटने की नाईं चमकेगा, और तू शीघ्र चंगा हो जाएगा; तेरा धर्म तेरे आगे आगे चलेगा, यहोवा का तेज तेरे पीछे रक्षा करते चलेगा।' जो लोग वफादारी से उनकी मर्जी पर चलते हैं, परमेश्वर खुद उनका सम्मान करते हैं।

योना की जिंदगी परमेश्वर के न्याय का एक और पहलू दिखाती है: उसकी दया। योना ने शुरूमें परमेश्वर की बात नहीं मानी। और विनाश का उसका संदेश बेकार लगेगा। वह भाग गया, लेकिन

परमेश्वर ने उसका पीछा किया। एक तूफान आया, योना को समुद्र में फेंक दिया गया, और फिर भी परमेश्वर ने, अपने न्याय और दया में, उसे बचाने के लिए एक बडी मछली तैयार की। योना की आज्ञा न मानने पर भी, परमेश्वर ने अपना मकसद पूरा किया। योना ने पश्चाताप किया, उसे नीनवे लाया गया, और उसने परमेश्वर का संदेश सुनाया। जब लोगों ने अपने पापों से मुंह मोडा, तो परमेश्वर ने उन्हें माफ कर दिया। योना इस नतीजे से गुस्सा हुआ, लेकिन परमेश्वर ने उसे याद दिलाया कि वह दया का परमेश्वर है। जब योना ने पश्चाताप किया, तो परमेश्वर का न्याय उससे रोक लिया गया, और जब नीनवे के लोगों ने अपने पापों से पश्चाताप किया, तो उनसे भी न्याय रोक लिया गया। योना और नीनवे के लोग दोनों ही इस बात के उदाहरण हैं कि जब लोग अपने गलत रास्तों से मुडते हैं और नेकी का रास्ता अपनाते हैं, तो परमेश्वर की दया न्याय के रूप में सामने आती है। हमारा परमेश्वर आज भी वैसा ही है। जब हम उससे मेल-मिलाप चाहेंगे, तो वह अपनी कृपा बरसाएगा।

इस सच्चाई का अनुभव हमने अपनी जिंदगी में गहराई से किया। जुलाई 1985 में, हमारे परिवार को बहुत बडी मुसीबत का सामना करना पडा। प्रभु ने मेरे पिता को एक यूनिवर्सिटी बनाने का निर्देश दिया था, और वादा किया था कि वह खुद उसे स्थापित करेगा। इस दर्शन की घोषणा करने के तुरंत बाद, मेरे पिता की किडनी फेल हो गई। इसके कुछ ही समय बाद, हमारे परिवार को एक दुखद दुर्घटना में मेरी बहन को खोने का गहरा दुख झेलना पडा। सवाल, अपमान और दिल टूटने का दर्द हमें घेरे हुए था। फिर भी 29 जुलाई 1986 को, हम एक परिवार के रूप में परमेश्वर के सामने आए और प्रार्थना की, 'हे प्रभु, हमारी नहीं, बल्कि तेरी इच्छा पूरी हो।' टूटे हुए और दुखी होने के बावजूद, हमने आज्ञा मानने का फैसला किया। पवित्र आत्मा से ताकत पाकर, हमारे दिल ठीक हो गए, और हम परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने के लिए उठ खडे हुए। उसकी शक्ति से, कारुण्या यूनिवर्सिटी, सीशा की स्थापना हुई। आज, यह 700 एकड में फैली हुई है, जो राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक गवाही के रूप में चमक रही है।

परमेश्वर ने हमारी नेकी को दोपहर के सूरज की तरह चमकाया। उसने हमें सही ठहराया और अपनी इच्छा पूरी की। 'वह तेरा धर्म ज्योति की नाई, और तेरा न्याय दोपहर के उजियाले की नाई प्रगट करेगा' (भजन 37:6)

प्रिय मित्र, प्रभु पर भरोसा रखें। पूरे दिल से उसकी आज्ञा मानो, भले ही रास्ता दर्दनाक या साफ न हो। न्याय का परमेश्वर निश्चित रूप से आप को सहारा देगा, आप का सम्मान करेगा, और आप के जीवन के द्वारा अपनी इच्छा पूरी करेगा।

प्रभु घोषणा करते हैं, 'मैं उनके साथ खडा रहूंगा, न्याय करूंगा, और अपनी इच्छा पूरी करूंगा।' उनका न्याय कभी असफल नहीं होता। जब परमेश्वर आपके साथ होता है, तो कोई भी आपके खिलाफ खडा नहीं हो सकता। कोई भी चीज आपको हरा नहीं सकती। 'तुम्हारे विरुद्ध बनाया गया कोई भी हथियार सफल नहीं होगा,' (यशायाह 54:17) और प्रभु आप की धार्मिकता को दूसरों के सामने दिन के उजाले की तरह चमकाएगा, और आप के जीवन के द्वारा अपने नाम को सम्मान दिलाएगा। इसलिए, मत डरें। उठें और परमेश्वर की इच्छा पूरी करें। साहस और आज्ञाकारिता के साथ उसकी धार्मिकता को पूरा करें।

प्रभु ने एक बार हमारे परिवार से बात की और कहा, 'जितना ज़्यादा लोग झूठ बोलकर तुम्हारा मजाक उडाएंगे या जलन के कारण तुम्हें कोसेंगे, उतना ही ज़्यादा मै तुम्हें आशीष दूंगा।' इसीलिए हम आरोपों या अज्ञानता पर प्रतिक्रिया न देने का चुनाव करते है। हम बस परमेश्वर की इच्छा पूरी करते रहते है। इस आज्ञाकारिता के माध्यम से, परमेश्वर ने यीशु बुलाता है, कारुण्या, और सीशा के जरिए लाखों लोगों के जीवन को छुआ है।

जो उसने हमारे लिए किया है, वह आप के लिए भी करेगा। जब आप हर कीमत पर परमेश्वर की आज्ञा मानोगे, तो उसका

न्याय आप के आगे चलेगा, आप की रक्षा करेगा, और आप को ऊपर उठाएगा। महान और शक्तिशाली बातें निश्चित रूप से होंगी।

परमेश्वर से पुकारने वालों के लिए न्याय

तीसरा, परमेश्वर उन लोगों के लिए न्याय करता है जो लगातार यीशु के नाम से पुकारते हैं। यीशु स्वयं हमें लूका 18:7-8 में आश्वासन देते हैं: 'क्या परमेश्वर अपने चुने हुओं का न्याय न चुकाएगा, जो रात-दिन उस की दुहाई देते रहते; और क्या वह उन के विषय में देर करेगा? मैं तुम से कहता हूं; वह तुरन्त उन का न्याय चुकाएगा; तौभी मनुष्य का पुत्र जब आएगा, तो क्या वह पृथ्वी पर विश्वास पाएगा?' परमेश्वर के उत्तर हमेशा के लिए विलंबित नहीं होते। न्याय शीघ्र आएगा। जितना ज़्यादा विरोध का सामना तुम करोगे, उतना ही ज़्यादा परमेश्वर आप का सम्मान करेगा और आप को ऊँचाइयों पर ले जाएगा।

परमेश्वर उन लोगों को भविष्यसूचक अंतर्दृष्टि देकर न्याय

करता है जो उसकी आराधना करते हैं, उपवास करते हैं, और उसके चरणों में प्रतीक्षा करते हैं। लूका 2:37-38 में, हम अन्ना के बारे में पढते हैं, जो एक 84 वर्षीय विधवा थी जिसने कभी मंदिर नहीं छोडा, बल्कि दिन-रात उपवास और प्रार्थना के साथ परमेश्वर की आराधना की। उसका जीवन निरंतर आराधना था, एक ऐसा हृदय जो पूरी तरह से परमेश्वर को समर्पित था। इसी कारण, परमेश्वर ने उसकी समझ खोली, और उसने यीशु के बारे में भविष्यवाणी की, जब उन्हें मंदिर में प्रस्तुत किया गया था, तो उन्हें दुनिया के उद्धारकर्ता के रूप में पहचाना।

पौलुस को परमेश्वर ने गैर-यहूदियों तक पहुँचने के लिए बुलाया था। अपनी सेवा शुरूकरने के लिए, वह यीशु के चेलों से उनके बारे में सीखने के बजाय, खुद प्रभु से सिखाए जाने के लिए अरब गए। (गलातियों 1:17)। उन्होंने उपवास किया और प्रार्थना की और इसके परिणामस्वरूप, पौलुस को ऐसे प्रकाशन मिले जिन्हें पूरी तरह समझना आज भी एक रहस्य है और वे एक चमकती रोशनी हैं जो हमें ईश्वरीय जीवन जीना सिखाती है, और सभी लोगों, गैर-यहूदियों और यहूदियों दोनों को मसीह के पास ले जाती है।

एक अद्भुत गवाही कि प्रार्थना न्याय लाती है, तेनकासी की श्रीमती भारती नागर की कहानी में देखी जाती है: मेरे सबसे छोटे दामाद, पॉल राज, तेनकासी सरकारी आईटी ऑफिस में दस साल तक एक अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम करते थे। अचानक, जब एक नए व्यक्ति को नियुक्त किया गया तो उनकी नौकरी चली गई। अगले तीन सालों तक, हमने कोर्ट केस के जरिए इस मामले को आगे बढाया। हम यीशु बुलाता है के हिस्सा है, और इस मुश्किल समय में, हमने उपवास के साथ पूरी लगन से प्रार्थना की, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर बदलाव लाएगा। परमेश्वर की महान कृपा से प्रभु और यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री से प्रार्थना के समर्थन से, उसे अब वह नौकरी और वह मुआवजा मिल गया है जिसका वह हकदार था। हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं कि उसने हमारी प्रार्थनाएँ सुनीं और उनका जवाब दिया।

यही अनुग्रह आपके लिए भी उपलब्ध है। जब आराधना आपकी जीवन शैली बन जाती है, चाहे आप काम कर रहे हों, यात्रा कर रहे हों, या मुश्किलों का सामना कर रहे हों, परमेश्वर आपका दिल खोलता है ताकि आप उसकी इच्छा को समझ सकें। जैसा कि रोमियों 8:28 हमें भरोसा दिलाता है, जो लोग परमेश्वर से प्यार करते हैं, उनके लिए सब कुछ भलाई के लिए होता है। मुश्किलों में भी, परमेश्वर आपको अपनी भविष्यवाणिय आवाज के रूप में खडा करेगा, और अपनी आत्मा के द्वारा आपको स्पष्टता, दिशा और अधिकार देगा।

आज यह अनुग्रह आप पर बना रहे ताकि आप लगातार प्रभु की आराधना करें, उपवास और प्रार्थना में भी, और दिव्य प्रकाशन में चलें जैसे परमेश्वर आपके जीवन में अपना न्याय स्थापित करता है।

न्यायियों के लिए न्याय

आखिरकार, जब हम न्याय से जीते हैं तो परमेश्वर न्याय करता है। नीतिवचन 21:3 कहता है, 'धर्म और न्याय करना यहोवा को बलिदान से अधिक स्वीकार्य है।' परमेश्वर धार्मिक रीति-रिवाजों से ज़्यादा धर्मी जीवन को महत्व देता है। ईमानदारी के बिना आराधना परमेश्वर को प्रभावित नहीं करती। जब हमारे काम, शब्द और व्यवहार अन्यायपूर्ण होते हैं, तो हम अपने जीवन में अन्याय को आमंत्रित करते हैं।

पवित्रशास्त्र हमें स्पष्ट रूप से चेतावनी देता है। यशायाह 1:17 आग्रह करता है, 'भलाई करना सीखो; यत्न से न्याय करो, उपद्रवी को सुधारो; अनाथ का न्याय चुकाओ, विधवा का मुकद्दमा लडो।' जब हम मजदूरी रोकते हैं, गरीबों का शोषण करते हैं, बेईमानी करते हैं, या अन्याय से लाभ कमाते हैं, तो पीडितों की पुकार परमेश्वर के कानों तक पहुँचती है (याकूब 5:4)। ऐसी प्रार्थनाएँ हमारे अपने आशीर्वाद में बाधा डालती हैं, चाहे हमारे बाहरी काम कितने भी धार्मिक क्यों न दिखें (यशायाह 1:15)। अगर हम धार्मिकता से नहीं जीते हैं, तो अनिवार्य रूप से हमारे साथ अन्याय होगा। जब हाथ अन्याय से सने होंगे तो परमेश्वर नहीं सुनेगा।

लेकिन जब हम दूसरों का सम्मान करते हुए, जो देना है वह देते हुए, कमजोरों की देखभाल करते हुए न्याय से जीते हैं, तो परमेश्वर का न्याय शक्तिशाली रूप से हम पर आता है। उसका संरक्षण पीढी दर पीढी बहता है। सम्मान आपके जीवन को भर देता है, आपकी आज्ञाकारिता के बाद प्रावधान आता है, और परमेश्वर स्वयं आपको ऊपर उठाता है।

हम दोरकास के जीवन में परमेश्वर का आशीर्वाद देखते हैं। याफा में तबीता अर्थात दोरकास नाम एक विश्वासिनी रहती थी, वह बहुतेरे भले भले काम और दान किया करती थी। (प्रेरितों 9:36-42)। वह अपनी दयालुता के लिए जानी जाती थी, और

विशेष रूप से अपने समुदाय की विधवाओं और गरीबों के लिए ट्यूनिक और कपडे.सिलने के लिए। वह बीमार पड.गई और मर गई, जिसके बाद उसके शरीर को एक ऊपरी कमरे में रखा गया। यह जानकर कि प्रेरित पतरस पास के लिद्दा शहर में थे, विश्वासियों ने उन्हें बुलवाया और उनसे बिना किसी देरी के आने का आग्रह किया। पहुंचने पर, विधवाओं ने पतरस को वे कपडे.दिखाए जो डोरकास ने बनाए थे। पतरस ने सभी को बाहर भेज दिया, घुटने टेके और प्रार्थना की। फिर उन्होंने कहा, 'तबीता, उठो,' और उसने अपनी आँखें खोलीं और बैठ गई। यह चमत्कार पूरे योप्पा में फैल गया, जिससे कई लोगों ने प्रभु पर विश्वास किया।

हाँ, परमेश्वर ने हमें जो बुलाहट दिया है, वह है कि हमारे जीवन अच्छे कामों से साफ-साफ चमकें: 'तुम्हारा प्रकाश दूसरों के सामने चमके, ताकि वे तुम्हारे अच्छे काम देखें और स्वर्ग में तुम्हारे पिता की महिमा करें।' नेक जीवन छिपा नहीं रहता; यह परमेश्वर के स्वभाव को दिखाता है और उसके नाम को सम्मान दिलाता है।

मेरे पिता के गुजर जाने के बाद, परमेश्वर ने मुझसे यशायाह 1:17 से बात की और कहा कि मुझे गरीबों की देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे बिना कपडों वालों को कपडे.देने चाहिए, बिना खाने वालों को खाना खिलाना चाहिए, और बिना घर वालों को आश्रय देना चाहिए। उन्होंने वादा किया कि तब वह हमारे प्रकाश को सुबह की तरह चमकाएंगे, हमारी सेहत जल्दी ठीक हो जाएगी, और हमारी नेकी हमारे आगे चलेगी (यशायाह 58:8)। परमेश्वर ने यह वादा पूरा किया। जैसे ही हमने सीशा के जरिए गरीबों की सेवा करना शुरूकिया, परमेश्वर ने दया से इस सेवा को बनाए रखा और सहारा दिया। कई मुश्किलों के बावजूद, उनकी नेकी लगातार जाहिर होती रही है।

आज, हम अक्सर लोगों को गरीबों के साथ सख्ती से मोलभाव करते, जो उनका हक है उसे देने से मना करते, और उन लोगों की अपमान करते देखते हैं जिन्होंने दूसरों को आशीर्वाद देने के लिए ईमानदारी से बलिदान दिया है। ऐसे काम अपने ऊपर अन्याय को बुलाते हैं। लेकिन इसका उल्टा भी सच है: जब हम न्याय से काम करते हैं, जब हम दूसरों की परवाह करते हैं, उनकी गरिमा का सम्मान करते हैं, और जो उनका हक है वह देते हैं, तो परमेश्वर का न्याय हमारे जीवन में जोरदार तरीके से आता है।

पवित्र शास्त्र हमें 1 यूहन्ना 4:20 में याद दिलाता है: ' यदि कोई कहे , कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं; और अपने भाई से बैर रखे; तो वह झूठा है: क्योंकि जो अपने भाई से, जिस उस ने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उस ने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।' परमेश्वर के लिए प्रेम लोगों के लिए प्यार से साबित होता है।

एक बार, जब एक व्यक्ति एक देश का प्रधानमंत्री बना, तो उसने मुझे उससे बात करने के लिए बुलाया। उसने नेतृत्व संभालने पर मार्गदर्शन मांगा। मैंने उसे साफ-साफ बताया: 'तुम्हें यहाँ सिर्फ.सत्ता का आनंद लेने के लिए नहीं रखा गया है। परमेश्वर ने तुम्हें पूरे देश का पिता बनाया है।' मैंने समझाया कि नेतृत्व किसी एक समूह का दूसरे समूह पर पक्ष नहीं ले सकता, चाहे वह धर्म, जाति, भाषा, या पृष्ठभूमि के आधार पर हो। हाँ, एक लीडर को सभी लोगों से बराबर प्यार करना चाहिए। अगर किसी एक ग्रुप को भी नजरअंदाज.किया जाता है, तो लीडरशिप की नींव ही कमजोर होने लगती है।

यही सच्चाई हममें से हर किसी पर लागू होती है। हमारे परिवारों, काम की जगहों, चर्चों और समाज में, हमें बिना किसी भेदभाव के सभी से प्यार करने और उनकी देखभाल करने के लिए कहा गया है। जब हम लोगों से सच्चे दिल से प्यार करते हैं, तो हम खुद परमेश्वर से प्यार कर रहे होते हैं और जब वह ऐसा प्यार देखते हैं, तो वह हमारी जिंदगी को मजबूत करते हैं, हमारी स्थिति को पक्का करते हैं, और हमारे हर काम में बरकत देते हैं।

आज परमेश्वर का हमारे लिए संदेश सरल लेकिन गहरा है: सही तरीके से जियो, पूरी तरह से प्यार करो, और ईमानदारी से चलो। जब आप ऐसा करेंगे, तो परमेश्वर आपके साथ न्याय करेंगे।प्रार्थनाओं का जवाब दिया जाएगा। आपका काम फलेगा-फूलेगा। आप बहुतों के लिए आशीष बनेंगे, और परमेश्वर की कृपा आपके जीवन पर बनी रहेगी। परमेश्वर का न्याय आपका साथ दे, आपको स्थापित करे, और आज और हमेशा आपको चमकाए। परमेश्वर आपको आशीष दे।

प्रार्थना: प्यारे प्रभु यीशु, आप न्याय के परमेश्वर है। आपने खुद को दीन किया, अपना पवित्र लहू बहाया, और मेरे उद्धार के लिए उत्तम बलिदान बने। मुझे धार्मिकता से जीने की कृपा प्रदान करें। जैसे आप परमेश्वर के न्याय से विजय में उठे, मुझे भी हर उस स्थिति से ऊपर उठने की शक्ति दें जिसका मै सामना करता हूँ। मुझे मजबूती से स्थापित करें। मेरे खिलाफ बनाया गया कोई भी हथियार सफल न हो। आपका न्याय मेरे द्धारा और मेरे लिए काम करे, जिससे मै इस दुनिया में आपका सच्चा प्रतिबिंब बन सकूँ। मै आपको सारी महिमा देता हूँ। आपके शक्तिशाली नाम में मै प्रार्थना करता हूँ, आमीन।

बहुतायत आशीर्वाद

मेरी शादी 2019 में हुई, और उसके तुरंत बाद, मैं और मेरे पति परिवार शुरूकरना चाहते थे। हालाँकि, कई कोशिशों के बाद भी, मैं गर्भधारण नहीं कर पा रही थी। मेडिकल कंसल्टेशन के बाद, डॉक्टरों ने मुझे PCOD बताया और IVF ट्रीटमेंट को ही एकमात्र उपाय बताया। यह हमारे लिए मानसिक रूप से चुनौती था, खासकर इसलिए क्योंकि मेरे पति सेना में हैं और हम 7 से 8 महीने में सिर्फ.एक बार मिल पाते हैं। इस मुश्किल समय में, मैं रांची के प्रार्थना भवन आई और परिवार आशीष योजना में एनरोल हो गई, और अपना बोझ परमेश्वर को सौंप दिया। परमेश्वर ने अपनी बडी दया से हमारी प्रार्थनाएँ सुनीं और 20 अप्रैल को हमें एक प्यारी सी बच्ची का आशीर्वाद दिया। आज, मेरा दिल उनकी वफादारी और सही समय के लिए शुक्रगुजारी से भर गया है। – **पूनम तिर्की,** रांची

पूनम तिर्की की तरह, जब परिवार प्रार्थना में डूबे होते है, तो परमेश्वर इंतजार के मौसम को जश्न के मौसम में बदल देते है।

बहुतायत आशीर्वाद

बाइबल में, हन्नाह बच्चे की चाहत में बहुत दुख में परमेश्वर के सामने रोई थी। साल दर साल, उसके दिल में खामोश दर्द और बिना जवाब की प्रार्थनाएँ थीं। फिर भी, जब उसने अपने परिवार को परमेश्वर की सेवा के लिए सौंप दिया, तो परमेश्वर ने उसे याद किया और शमूएल का आशीर्वाद देकर उसके दुख को खुशी में बदल दिया। उसी तरह, परमेश्वर आज भी उन परिवारों के हर आँसू को याद करते हैं जो उन पर भरोसा करते हैं और प्रार्थना में उनकी ओर देखते हैं और खुद को परमेश्वर के मिशन में शामिल करते हैं। परमेश्वर की कृपा आज भी ऐसे परिवारों पर बनी रहती है।

क्या आपका परिवार किसी दिव्य चमत्कार का इंतजार कर रहा है?

कभी-कभी, परिवार देरी, स्वास्थ्य चुनौतियों, या भावनात्मक बोझ के दौर से गुजरते हैं जो इंसान के काबू से बाहर लगते हैं। फिर भी, परमेश्वर विश्वास से फुसफुसाई गई हर प्रार्थना पर नजर रखते हैं। परिवार आशीष योजना के जरिए, आपका परिवार यीशु बुलाता है प्रार्थना मध्यस्थ द्वारा उठाए गए वफादार प्रार्थना के जरिए रोजाना घेरा हो सकता है।

यह सिर्फ.हिस्सा लेने से कहीं ज़्यादा है; यह एक आत्मिक घेरे में कदम रखना है जहाँ आपके परिवार को रोजाना परमेश्वर के कृपा के सिंहासन के सामने याद किया जाता है।

'यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करे:यहोवा तुझ पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए,
और तुझ पर अनुग्रह करे।' गिनती 6:24-25

आज अपने परिवार को प्रार्थना में शामिल करें, कल परमेश्वर की वफादारी देखें।

आज ही पंजीकरण करें

अपनी मासिक योजना और प्रार्थना पार्टनरशिप चुनें:
रु. 100 ,| रु. 500,| रु.1,000,| रु. 5,000 हर महीने
वेबसाइट: www.jesuscalls.org/donate/fbp

FBP के लिए QR कोड स्कैन करें

प्रिय मित्र, ऐसी दुनिया में जो सफलता को धन, हैसियत और बाहरी उपलब्धियों से मापती है, पवित्र शास्त्र सच्ची समृद्धि का एक बिल्कुल अलग नजरिया पेश करता है। बाइबिल घोषणा करती है, 'धर्मी का तम्बू फलेगा-फूलेगा' (नीतिवचन 14:11)

एक धर्मी परिवार फलता-फूलता है

परमेश्वर की व्यवस्था में, फलना-फूलना कोई संयोग नहीं है; यह धार्मिकता का फल है। जब कोई परिवार प्रभु के सामने सीधे चलने का फैसला करता है, तो उसका आशीर्वाद न केवल व्यक्तियों पर, बल्कि पीढ़ियों तक बना रहता है।

भजन 92 इस सच्चाई की एक शक्तिशाली तस्वीर पेश करता है: ''धर्मी लोग खजूर की नाईं फूले फलेंगे, और लबानोन के देवदार की नाईं बढते रहेंगे।'' भजन संहिता 92:12

ताड़ के पेड़ कठोर मौसम में भी फलते-फूलते हैं, सूखे मौसम में भी फल देते हैं, जबकि देवदार के पेड़ लंबे, मजबूत और टिकाऊ होते हैं। साथ मिलकर, वे स्थिरता, फलदायकता और लंबी उम्र को दर्शाते हैं जो एक धर्मी जीवन की पहचान हैं। इजराइल की यात्राओं के दौरान, कोई भी इन पेड़ों को लंबा और फलदार खड़ा देख सकता है, जो एक जीवित याद दिलाता है कि परमेश्वर का वचन काव्यात्मक कल्पना नहीं बल्कि जीती-जागती सच्चाई है। इसी तरह, धार्मिकता में जड़े हुए परिवार बढते रहते हैं, फैलते हैं और दूसरों को आशीर्वाद देते हैं।

यहोशू 2 और 6 में राहाब की कहानी इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे विश्वास और आज्ञाकारिता के माध्यम से व्यक्त की गई धार्मिकता पूरे परिवार की पीढ़ी को बदल सकती है। राहाब यरीहो में रहती थी और अपने पापी अतीत के लिए जानी जाती थी। फिर भी, जब उसने इजराइल के परमेश्वर के बारे में सुना, तो उसके दिल में विश्वास जागा। उसने इजराइली जासूसों की रक्षा करने का फैसला किया, और बहुत बड़े व्यक्तिगत जोखिम पर खुद को परमेश्वर के उद्देश्यों के साथ जोड़ा।

राहाब की धार्मिकता उसके अतीत से नहीं, बल्कि परमेश्वर के प्रति उसकी प्रतिक्रिया से परिभाषित हुई थी। उसके विश्वास के कारण, जब यरीहो गिरा तो वह और उसका पूरा परिवार बच गया। पवित्र शास्त्र ध्यान से

EvangelinePaulDhinakaran | evangeline@jesuscalls.org

बताता है कि राहाब अकेली नहीं बची बल्कि उसका परिवार भी उसके साथ बच गया। इससे भी ज़्यादा उल्लेखनीय बात यह है कि राहाब यीशु मसीह के वंश का हिस्सा बन गई (मत्ती 1:5)। जो एक साहसी धार्मिक कार्य के रूप में शुरू हुआ था, उसका परिणाम पीढी दर पीढी आशीर्वाद और अनंत महत्व के रूप में मिला।

राहाब की कहानी हमें विश्वास दिलाती है कि जब परिवार में कोई एक व्यक्ति प्रभु से डरने का फैसला करता है, तो वह फैसला कई लोगों की किस्मत बदल सकता है। परमेश्वर की दया और आशीर्वाद व्यक्ति से आगे बढकर उस परिवार तक पहुँचता है जो आज्ञाकारिता और विश्वास के तहत आश्रय लेता है।

निर्गमन की पुस्तक एक और गहरा सिद्धांत प्रस्तुत करती है। इब्रानी दाइयों ने परमेश्वर का भय, माना और फिरौन के क्रूर आमी आदेश को मानने से इनकार कर दिया। पवित्र शास्त्र में लिखा है, 'इसलिए परमेश्वर दाइयों पर दयालु हुआः और क्योंकि दाइयों ने परमेश्वर का भय माना, इसलिए उसने उन्हें अपने परिवार दिए' (निर्गमन 1:20-21)। परमेश्वर के प्रति उनके आदर ने न केवल सुरक्षा, बल्कि व्यक्तिगत आशीष और परिवार में बढोतरी के रूप में ईश्वरीय कृपा दिलाई।

यह एक अनंत सत्य को प्रकट करता है: जब परमेश्वर किसी व्यक्ति से प्रसन्न होता है, तो वह प्रसन्नता उसके पारिवारिक जीवन में भी फैल जाती है। धार्मिकता परमेश्वर का ध्यान आकर्षित करती है, और उसका प्रतिफल कभी छोटा नहीं होता।

यह सिद्धांत केवल बाइबिल के इतिहास तक ही सीमित नहीं है; यह हमारे समय में भी जारी है। विलियम बूथ, द साल्वेशन आमी के संस्थापक, इस बात का एक प्रभावशाली उदाहरण है कि कैसे एक धमी जीवन पूरे परिवार के लिए आशीष लाता है। पवित्रता, करुणा और परमेश्वर की आज्ञाकारिता के प्रति गहराई से समर्पित, बूथ और उनकी पत्नी कैथरीन ने अपना घर प्रार्थना और गरीबों और हाशिए पर पडे.लोगों की सेवा पर बनाया। उनके बच्चों को न केवल सेवकाई में पाला-पोसा गया, बल्कि उन्हें ईमानदारी, अनुशासन और आत्माओं के प्रति जुनून से ढाला गया। उल्लेखनीय रूप से, उनके सभी आठ बच्चे द साल्वेशन आमी के भीतर सक्रिय नेता और सेवक बन गए, और अपने माता-पिता के दृष्टिकोण को शक्ति और विश्वास के साथ आगे बढाया। हालाँकि बूथ परिवार को विरोध, गरीबी और बलिदान का सामना करना पडा, परमेश्वर ने उनकी विरासत को विश्व स्तर पर फलने-फूलने दिया, यह साबित करते हुए कि जब कोई परिवार प्रभु के सामने ईमानदारी से रहता है, तो उनका प्रभाव पीढ़ियों को आशीष दे सकता है।

आज, वे सेवकाई, नेतृत्व और शिक्षण में विश्वासपूर्वक परमेश्वर की सेवा करना जारी रखे हुए हैं, जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं। हालाँकि कोई भी परिवार चुनौतियों से मुक्त नहीं है, लेकिन परमेश्वर से प्रेम करने वाले बच्चों को पालना बाइबिल की समृद्धि के दिल को दर्शाता है कि प्रसिद्धि नहीं, बल्कि विश्वास को आगे बढाया जाना चाहिए।

परमेश्वर का वादा स्पष्टहै: 'प्रभु तुम्हें और तुम्हारे घराने को आशीष देगाः और यहोवा तुम को और तुम्हारे लडक़ों को भी अधिक बढाता जाए!' (भजन 115:14)। धर्मी परिवारों को परीक्षाओं का सामना करना पड.सकता है, लेकिन उन्हें कभी नहीं छोडा जाता। ताड.के पेडों की तरह, वे दृढ.रहते हैं; देवदार के पेडों की तरह, वे समय के साथ मजबूत होते जाते हैं।

जब कोई परिवार धार्मिकता चुनता है, जो दैनिक आज्ञाकारिता, परमेश्वर के प्रति आदर और उसके वचन पर विश्वास है, तो उनका घर परमेश्वर की आशीष के लिए उपजाऊ भूमि बन जाता है। ऐसे परिवार आध्यात्मिक, संबंधपरक और पीढीगत रूप से फलते-फूलते हैं।

प्रभु आप पर और आपके घराने पर प्रसन्न हो। आपका घर विश्वास, शांति और उद्देश्य से फले-फूले। आपके बाद की पीढ़ियाँ उठें और गवाही दें कि धार्मिकता चुनना वास्तव में एक समृद्ध जीवन की ओर ले जाता है।

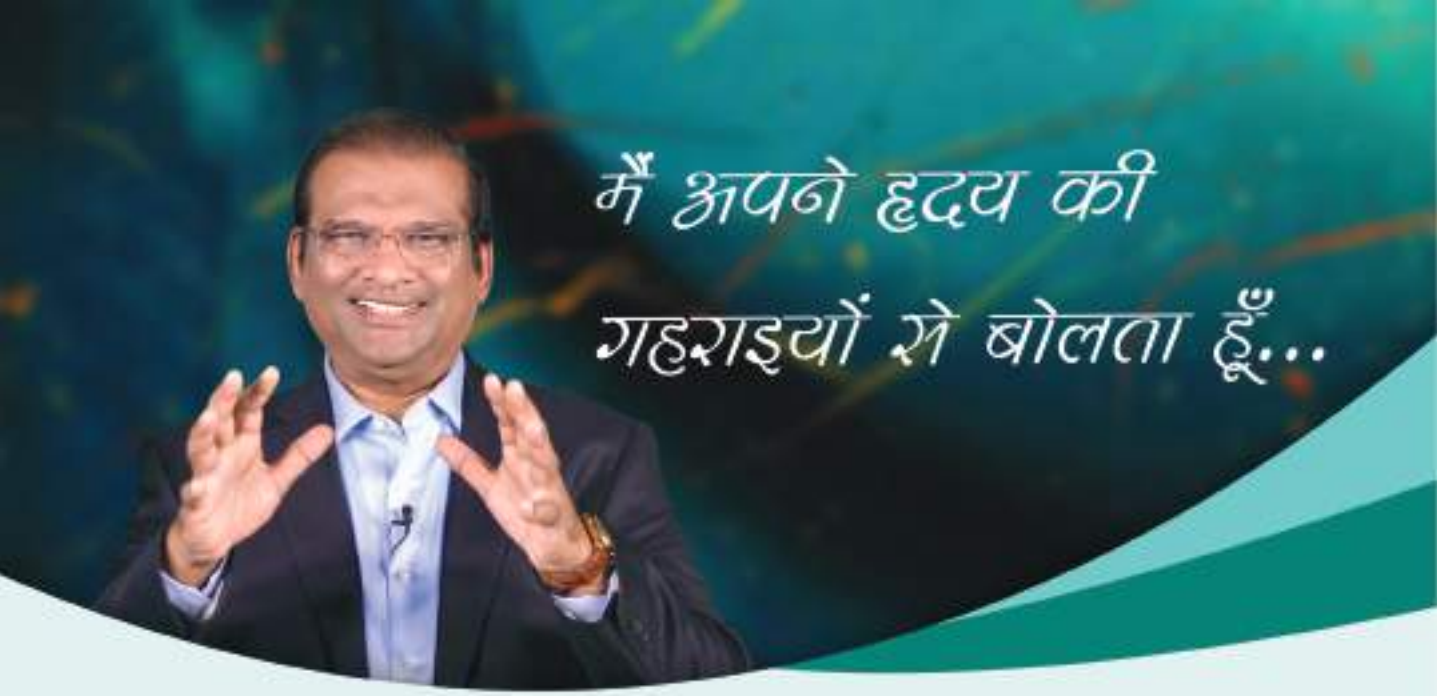

सेवकाई में मेरे प्रिय भाई,

जब भी हम परमेश्वर की निष्ठा पर विचार करते हैं, हमारा हृदय आपके प्रति कृतज्ञता से भर उठता है। आपका साथ मात्र एक योगदान नहीं, बल्कि प्रभु की ओर से हमारे लिए एक दिव्य वरदान है। आपने प्रार्थना, त्याग और अटूट विश्वास के द्वारा हमारा साथ दिया है, और प्रभु आपके द्वारा उनके राज्य के लिए बोए गए प्रत्येक बीज को देखते हैं।

''वे घर बनाकर उन में बसेंगे; वे दाख की बारियां लगाकर उनका फल खाएंगे।'' यशायाह 65:21

यह इस महीने आपके और आपके परिवार के लिए परमेश्वर का वादा है। आपको स्थिरता, फलदायकता और पूर्णता प्राप्त होगी। प्रभु आपको आश्वस्त कर रहे हैं कि आपका परिश्रम व्यर्थ नहीं जाएगा। विश्वास से बनाई गई आपकी इमारत स्थिर रहेगी। आज्ञाकारिता से बोया गया आपका बीज फल देगा। आपको अपने प्रयासों का फल हर क्षेत्र में मिलेगा। आपके प्रयासों का लाभ आपको स्वयं मिलेगा, किसी और को नहीं।

जैसे-जैसे आप हमारे सेवकाई कार्य में हमारे साथ चलते हैं, आशा है कि आप इस प्रतिज्ञा को अपने घर, अपने काम और अपनी बुलाहट में व्यक्तिगत रूप से अनुभव करेंगे। प्रभु ने हमें एक महान ज़िम्मेदारी सौंपी है कि हम उन लोगों तक पहुँचें जो थके हुए हैं, भटके हुए हैं और आशा की तलाश में हैं। उनकी कृपा और आपके सहयोग से, हम उन लोगों तक उसके प्रेम का संदेश पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं जिन तक अभी तक संदेश नहीं पहुँचा है।

स्तुति बिंदु

✻ मैं परमेश्वर का बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने पिछले महीने विभिन्न माध्यमों से 2 करोड़ लोगों के जीवन को छूने में हमारी सेवा को सक्षम बनाया। पिछले महीने आपकी उदारतापूर्वक की गई सहायता का हमारी सेवा पर यह प्रभाव पड़ा: प्रार्थना केंद्रों पर 1,37,450 से अधिक लोगों ने मध्यस्थता की शक्ति का अनुभव किया, जबकि टेलीफोन प्रार्थना केंद्रों के माध्यम से 3,72,100 कॉल करने वालों को सांत्वना और चमत्कार प्राप्त हुए और डायल-ए-प्रेयर सेवा के माध्यम से 13,030 कॉल करने वालों को यह लाभ मिला। सोशल मीडिया के माध्यम से 2,271,750 लोगों तक पहुँचा गया और ई-पत्रिकाओं ने 1.5 लाख पाठकों तक अपनी सेवाएँ पहुँचाई। 25,500 से अधिक पत्रों और 33,850 ईमेल का परमेश्वर के प्रेम और प्रतिज्ञा वचन के साथ प्रार्थनापूर्वक उत्तर दिया गया। प्रार्थना भवन में 3,560 कार्यक्रम आयोजित किए गए और 1,08,450 लोगों को आशीर्वाद मिला। प्रभु ने 79 प्रचार सभाओं के माध्यम से भी अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया, जिनमें 1,120 लोगों को आशीर्वाद मिला। साप्ताहिक उपवास प्रार्थनाओं के दौरान 12,650 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया। हाल ही में शुरू किए गए कार्यक्रम 'चिल्ड्रन आर अ ब्लेसिंग' को 'द फैमिली' श्रृंखला के अंतर्गत 15 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है और हमें अनगिनत गवाहियाँ मिली हैं कि इसने लोगों को कैसे आशीर्वाद दिया है। सचमुच, आपके समर्थन और प्रार्थनाओं के माध्यम से परमेश्वर का नाम महिमावान होता है, क्योंकि लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

✻ आशा दिवस को 11 फरवरी, 1955 के उस पवित्र क्षण की स्मृति में मनाया गया, जब मेरे पिता, डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन ने अपने जीवन के सबसे अंधकारमय समय में प्रभु यीशु मसीह से दिव्य आशा प्राप्त की थी। इस अटूट आशा की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर, 11 से 20 फरवरी तक प्रार्थना केंद्रों और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों पर विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गई, जहां अनगिनत लोगों के जीवन को छुआ और मजबूत किया गया।

स्कूलों, अस्पतालों, एचआईवी केंद्रों और अवसाद, तनाव और आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे समुदायों तक पहुंचकर आशा जगाने के उपाय किए गए। मेरा मानना है कि इन पहलों के माध्यम से कई लोगों के जीवन में बदलाव आया होगा।

✻ **छात्र प्रार्थना सभा:** हाल के हफ्तों में, हमने परमेश्वर के हाथ को उनके लोगों के बीच शक्तिशाली रूप से कार्य करते हुए देखा है। 1 फरवरी, 2026 को चेन्नई के सेंट जॉर्ज स्कूल ग्राउंड स्थित विंग्स कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हमारी छात्र प्रार्थना सभा में, लगभग 4000 युवा प्रभु की उपस्थिति से गहराई से प्रभावित हुए। भय की जगह विश्वास ने, उलझन की जगह स्पष्टता ने और कमजोरी की जगह ताकत ने ले ली। कई छात्रों ने अपनी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान नए आत्मविश्वास, मन की शांति और ईश्वरीय सहायता का अनुभव किया।

ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा इवेंजेलिन ने एक प्रेरणादायक गवाही साझा की, जो कभी अपनी दसवीं की सार्वजनिक परीक्षाओं को लेकर अत्यधिक भयभीत थी। उसने 15 जनवरी, 2025 को अड्यार में आयोजित पार्टनर्स मीटिंग में भाग लिया। जैसा कि वे घर बनाकर उन में बसेंगे; वे दाख की बारियां लगाकर उनका फल खाएंगे।

> "इस ईस्टर के मौसम में फैमिली चैनल और हमारे सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष कार्यक्रमों को देखना न भूलें"

✻ उसके लिए प्रार्थना की थी, परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से उसकी चिंता को दिव्य शांति में बदल दिया। वही बच्ची जो भय से कांप रही थी, उसने 500 में से 497 अंक प्राप्त किए, स्कूल में प्रथम, जिले में प्रथम और राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया, साथ ही प्रतिष्ठित सरकारी मेरिट छात्रवृत्ति भी जीती। यह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि ईश्वर किस प्रकार भय को असाधारण विजय में बदल देता है।

✻ हर वर्ष, हम चेन प्रेयर के माध्यम से प्रार्थना का अनुरोध करने वाले छात्रों का समर्थन करना जारी रखते हैं, उनकी परीक्षा की समय सारिणी को प्रभु के समक्ष तब तक रखते हैं जब तक कि प्रत्येक प्रार्थना पूरा न हो जाए। हमारा दृढ़ विश्वास है कि ईश्वर, जो उनके कदमों का मार्गदर्शन करता है, उनके प्रयासों को सफलता से भी नवाजेगा। आपके बच्चे भी जीवन में आगे बढ़ेंगे। प्रार्थना प्राप्त करने के लिए टेलीफोन प्रेयर टावर से संपर्क करें या अपने निकटतम प्रेयर टावर पर जाएँ और जब आप प्रार्थनाओं का उत्तर देखें तो हमें अपनी गवाही भेजें।

बैतहसदा आशीष सभा 8 फरवरी की शाम को आयोजित बैतहसदा सदा आशीर्वाद सभा एक शक्तिशाली दिव्य सभा थी, जहाँ भारत भर से आए 5000 लोगों ने ईश्वर की प्रत्यक्ष उपस्थिति का अनुभव किया। साझा की गई गवाहियों ने सभा में विश्वास को और मजबूत किया।

✻ कोयंबटूर की बहन परमेश्वरी ने गवाही दी कि कैसे ईश्वर ने ऐसी ही एक सभा में उनका नाम पुकारा और मेरे माध्यम से भविष्यवाणी की कि उन्हें अपना घर मिलेगा और परमेशवरा ने उस भविष्यवाणी को पूरा किया। विश्वास के साथ, मैंने मीका 2:13 से उपदेश दिया, यह घोषणा करते हुए कि प्रभु अपने लोगों के आगे-आगे चलते हैं, बंधनों को तोड़ते हैं, बीमारों को चंगा करते हैं और क्रूस की विजय के द्वारा जीवन को पुनर्स्थापित करते हैं। जब हमने एक साथ प्रार्थना की, तो ईश्वर की शक्ति वास्तव में प्रबल रूप से प्रवाहित हुई, जिससे प्रत्येक हृदय में चंगाई, मुक्ति, नवीकरण और अपार आनंद आया।

उसी दिन सुबह की प्रार्थना सभा में, मेरे पुत्र सैमूएल दिनाकरन ने यूहन्ना 4:24 से लगभग 1000 लोगों को संबोधित करते हुए सभा को याद दिलाया कि परमेश्वर हमें सच्चे उपासक बनने के लिए बुलाता है जो प्रभु के भय में चलते हैं और उसके वचन की सच्चाई के अनुसार जीवन जीते हैं।

✻ 7 फरवरी, 2026 को, ट्रिनिटी प्रेयर हाउस, कोयंबटूर ने अपनी 50 वीं वर्षगांठ मनाई। वहाँ सेवा करना अत्यंत आनंदमय था, जहाँ मैंने यशायाह 40:31 से परमेश्वर की प्रतिज्ञा को साझा किया, नई शक्ति, उनके परिश्रम के लिए ईश्वरीय न्याय और एक सींचे हुए बगीचे की तरह चमकते धार्मिकता की घोषणा की। मेरी प्रिय पत्नी, सिस्टर इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन ने पूरी लगन से प्रार्थना की, और परमेश्वर के हाथों में वृद्धि, ईश्वरीय संरक्षण और अधिक उपयोगी होने की घोषणा की। पिछले महीने की सभी सभाओं और सेवा प्रयासों के माध्यम से परमेश्वर के नाम की महिमा हुई।

प्रार्थना निवेदन

एस्तेर प्रार्थना समूह

यीशु मसीह का एस्तेर प्रार्थना समूह (ईपीजी) एक शक्तिशाली वैश्विक मध्यस्थता आंदोलन है जो महिलाओं, युवतियों, बालकों और दंपतियों को प्रार्थना के माध्यम से जागृत होने और प्रकाशमान होने का आह्वान करता है। मात्र एक समूह से शुरू हुआ यह आंदोलन अब भारत के लगभग सभी राज्यों में फैले लगभग 2,250 समूहों और विश्व भर के 18 देशों में लगभग 90 समूहों के विशाल नेटवर्क में तब्दील हो चुका है, जो इसे वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय प्रार्थना मिशन बनाता है। यह मंत्रालय जीवन के सभी आयु और चरणों की

महिलाओं को शामिल करने के लिए सुस्पष्ट श्रेणियों के माध्यम से कार्य करता है: महिलाओं के लिए एस्तेर प्रार्थना समूह (ईपीजी), 14-25 वर्ष की युवतियों के लिए युवा एस्तेर प्रार्थना समूह (वाईईपीजी), 8-13 वर्ष की बच्चियों के लिए कनिष्ठ एस्तेर प्रार्थना समूह (जेईपीजी), और विवाहित दंपतियों के लिए युगल एस्तेर प्रार्थना समूह (सीईपीजी)। प्रत्येक श्रेणी कई समूहों में संचालित होती है, जो मेरी माता, सिस्टर स्टेला धिनकरन द्वारा दिए गए प्रार्थना बिंदुओं का उपयोग करते हुए प्रतिबद्धता और एकता के साथ प्रार्थना करने के लिए मासिक रूप से मिलते हैं। पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित इस नेटवर्क के माध्यम से, अनगिनत सदस्य परिवर्तित जीवन, सुनी गई प्रार्थनाओं, आध्यात्मिक विकास और परिवारों, शिक्षा, करियर और मंत्रालयों में सफलताओं की गवाही देते हैं, जो राष्ट्रों में प्रार्थना करने वाली महिलाओं और ईश्वर-भक्त परिवारों के निर्माण में एस्तेर प्रार्थना समूह के अपार महत्व और प्रभाव को प्रकट करते हैं।

बहन कल्पना जेबेज़ और भाई जेबेज सीईपीजी समन्वयक, डलास, यूएसए ने गवाही दी कि कैसे एक दंपत्ति ने प्रार्थना समूह में दो महीने की निष्ठापूर्वक भागीदारी के बाद गर्भ धारण किया और एक सुंदर बच्चे का स्वागत किया, जबकि अन्य जो पहले संकोच करते थे, अब परमेश्वर की उपस्थिति और पारिवारिक सफलताओं की गवाही दे रहे हैं।

मैं दुनिया भर में लोगों को उनकी सामूहिक प्रार्थनाओं के उत्तर में मिल रही सभी गवाहियों का उल्लेख नहीं कर पाऊंगा। मैं आपको अपने लिए सुविधाजनक श्रेणी में शामिल होने और स्वयं एक प्रार्थना संगति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता हूं जो आपके जीवन के साथ-साथ आपके साथ जुड़ने वालों के जीवन को भी बदल देगी। नामांकन करने या अपना प्रार्थना समूह शुरू करने के लिए, epg@jesuscalls.org पर ईमेल करें।

तुरही प्रार्थना समूह

यहेजकेल 22:30 में परमेश्वर के वचन के उत्तर में सभी प्रार्थनाशील हृदयों को एकजुट करने का आह्वान मेरी पत्नी, बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन को मिला, जिसके परिणामस्वरूप तुरही प्रार्थना समूह का गठन हुआ, जो राष्ट्र और विश्व के लिए प्रार्थना करने वाला एक नेटवर्क है, जो प्रभु के आगमन के लिए हृदयों को तैयार करता है। मेरी पत्नी द्वारा परमेश्वर के मार्गदर्शन में साझा किए गए प्रार्थना बिंदुओं पर प्रार्थना करने के लिए औसतन 50 प्रार्थना मध्यस्थ प्रत्येक दोपहर 1:00 बजे से 1:30 बजे तक एकत्रित होते हैं। स्वयंसेवी प्रार्थना मध्यस्थों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना अनुरोधों के लिए सामूहिक प्रार्थनाएँ भी की जाती हैं। मैं आपको 6380752257 पर संपर्क करके या trumpet@jesuscalls.org पर ईमेल भेजकर "Trumpet Prayer Intercessor" के रूप में पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

आगामी कार्यक्रम

आगामी सभाओं और प्रार्थना उत्सवों के लिए मैं आपसे विनम्रतापूर्वक प्रार्थना करने का अनुरोध करता हूँ।

27 फरवरी से 1 मार्च 2026 अरुमानई प्रार्थना महोत्सव, कन्याकुमारी

28 फरवरी 2026 - सहभागी सभा, मार्तंडम

2 मार्च 2026 - NPMA - पादरी और अगुवों की सभा, कट्टाथुराई

13 मार्च 2026 - NPMA - पादरी और अगुवों की सभा, सांगली, महाराष्ट्र

13 से 15 मार्च - प्रार्थना महोत्सव, सांगली, महाराष्ट्र

14 मार्च 2026 - पार्टनर्स मीट, सांगली, महाराष्ट्र

मैं प्रार्थना के माध्यम से और, यदि प्रभु मार्गदर्शन करें, तो आर्थिक सहायता के माध्यम से भी हमारा साथ देने के लिए आपका स्वागत करता हूँ, ताकि हम इन सभाओं की तैयारी में सहायता कर सकें जहाँ हजारों लोगों को प्रार्थना और आशा प्राप्त होगी। यदि आप इन स्थानों के आस-पास रहते हैं, तो मैं आपको इन सभाओं में भाग लेने और आशीष प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

ईस्टर जैसे विशेष पर्वों के निकट आने पर, हम फैमिली चैनल और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित करने के लिए सार्थक सामग्री तैयार कर रहे हैं जो मसीह के पुनरुत्थान की शक्ति की घोषणा करेगी और हमारे दर्शकों के जीवन में आशा लाएगी।

प्रिय सहभागी, हिम्मत रखें और प्रोत्साहित हों। प्रभु हमें अधिक जिम्मेदारी और अधिक अभिषेक के एक नए दौर में ले जा रहे हैं। यह दौर न केवल सेवकाई के लिए, बल्कि आपके लिए भी होगा, मेरे साथी। जैसे-जैसे आप हमारे साथ चलते हैं, आपको नई कृपा, दिव्य साहस और अलौकिक सफलताएँ प्राप्त हों। परमेश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने वाला अभिषेक आपके जीवन और परिवार पर भी बना रहेगा।

जैसा कि पौलुस ने कहा, "इसलिए हिम्मत बनाए रखो, हे पुरुषों, क्योंकि मुझे परमेश्वर पर विश्वास है कि यह वैसा ही होगा जैसा उसने मुझसे कहा है।" (प्रेरितों 27:25), मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप अटूट विश्वास के साथ आगे बढ़ें, इस भरोसे के साथ कि परमेश्वर ने जो भी वादा किया है, वह ठीक वैसे ही पूरा होगा जैसा उसने कहा है। हमारे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। हम सब मिलकर परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ते और उसकी महिमा को प्रकट होते देखेंगे।

आपका भाई, जो आपके लिए प्रार्थना करता है,
डॉ पॉल दिनाकरन

हैदराबाद प्रार्थना भवन बिल्डिंग प्रोजेक्ट

परमेश्वर का घर बनाएं, परमेश्वर आप का घर बनाएंगे

यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन परमेश्वर से मिलने की जगहें रही हैं,
जहाँ प्रार्थना और सलाह के जरिए परमेश्वर की शक्ति से जिंदगी बदल जाती है।
हैदराबाद प्रार्थना भवन तेलंगाना और आस-पास के राज्यों के उन लोगों के लिए उम्मीद की किरण है जो ठीक होना, रास्ता दिखाना, शांति और सुधार चाहते हैं।

बीज बोकर अपना घर बनाया

मै और मेरा परिवार कई सालों से यीशु बुलाता है प्रार्थना मिनिस्ट्री के पार्टनर रहे हैं। हर बार जब हमने यीशु बुलाता है के जरिए प्रार्थना में परमेश्वर को खोजा, तो उन्होंने ईमानदारी से हमारी बात सुनी। हम प्रार्थना कर रहे थे और अपना घर खरीदने का प्लान बना रहे थे। मई के महीने में, हम प्रार्थना भवन गए और प्रार्थना योद्धाओं के साथ अपने निवेदन शेयर की। उन्होंने हमारे लिए दिल से प्रार्थना की और प्रार्थना भवन बिल्डिंग फंड के लिए बीज बोने के लिए हमें गाइड किया। विश्वास से, हमने उनकी बात मानी। सिर्फ 15 दिनों के अंदर, परमेश्वर ने चमत्कार से हमें रास्ता दिखाया और हमें अपना घर दिया। हम अपनी प्रार्थनाओं का जवाब देने और हमें घर देने के लिए परमेश्वर को सारी स्तुति देते है। हम भाई पॉल दिनाकरन, उनके परिवार और प्रार्थना में हमारे साथ खडे रहने वाले प्रार्थना करने वालों को दिल से धन्यवाद देते है। सारी स्तुति सिर्फ परमेश्वर को मिले।

– राधा, सिकंदराबाद

यह हैदराबाद प्रार्थना भवन से मिलने वाली कई बातों में से एक है।

हैदराबाद प्रार्थना भवन की प्रार्थना, काउंसलिंग और सेवा से 5 मिलियन से ज्यादा लोगों पर असर पडा है। हम प्रार्थना के साथ लाखों और लोगों तक पहुँचने के लिए आगे बढ रहे हैं और इसके लिए हमें आपकी प्रार्थना, पार्टनरशिप और आर्थिक मदद की जरूरत है।

हैदराबाद प्रार्थना भवन में नए डेवलपमेंट

- **रोजाना की मीटिंग के लिए बडा हॉल**
- **पर्सनल प्रार्थना और सोच-विचार के लिए शांति वाला मेडिटेशन चैपल**
- **लोगों की सेवा करने के लिए प्रार्थना योद्धाओं को ट्रेन करने के लिए ट्रेनिंग सेंटर**
- **तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के लिए 24X7 टेलीफोन और डिजिटल प्रार्थना भवन**
- **बाइबिल कॉलेज जो मान्यता प्राप्त थियोलॉजिकल प्रशिक्षण देता है**
- **विश्वास को मजबूत करने के लिए चमत्कारी हॉल जो गवाही दिखाता है**
- **सुसमाचार फिल्म प्रोडक्शन और एडिटिंग के लिए मीडिया स्टूडियो**
- **इंटरसेसर और बाइबिल कॉलेज के स्टूडेंट्स के लिए डॉरमेट्री की सुविधा**
- **गरीबों को खाना खिलाने, मुफ्त कपडे देने, महिलाओं और जरूरतमंदों को गुजारे के लिए क्षमता सिखाने, युवाओं को सलाह देने, बच्चों को मुफ्त ट्यूशन देने वगैरह के लिए सेंटर बनाना।**
- **दूसरी जरूरी सुविधाएँ: लिफ्ट, कैंटीन और पार्किंग की सुविधा**

आप कैसे दे सकते है

प्रार्थना भवन बिल्डिंग फंड में दान करें जैसा परमेश्वर आपको बताए

❑ रु.1 लाख ❑ रु.50000 ❑ रु.25000 या कोई भी दान

बोया गया हर बीज परमेश्वर का घर बनाने और अनगिनत जिंदगियों को छूने में मदद करता है।

जिंदगी में अपना रास्ता जानना

मेरे प्यारे दोस्त, एक नए दौर में कदम रखते ही हमेशा दिशा को लेकर सवाल उठते हैं। जैसे-जैसे हम इस साल से गुजरेंगे, मुझे यकीन है कि हम पिछले महीनों को देखेंगे और पहचानेंगे कि परमेश्वर ने हमारी जिंदगी में एक खास कृपा जोडी है, उस ताकत के जरिए जो हमारे पास पहले नहीं थी, जो साफ.बात धीरे-धीरे सामने आई, और उम्मीद जिसने हमें अनिश्चितता से बाहर निकाला। जैसे ही हम मार्च के महीने में आते हैं, परमेश्वर हमें भजन 16:11 से एक कीमती वादा देते हैं: 'तू मुझे जीवन का मार्ग दिखाता है।' यह भरोसा सिर्फ.दिलासा देने वाला नहीं है; यह बदलने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा जीवन किस्मत पर नहीं छोडा जाता। जब हम खुद को परमेश्वर के हवाले कर देते हैं, तो वह पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लेते हैं और प्यार से वह रास्ता दिखाते हैं जिस पर हमें चलना चाहिए।

भजन लिखने वाला इस सच को खुशी के साथ बताता है। वह इसलिए खुश होता है क्योंकि परमेश्वर अपनी मर्जी उनसे नहीं छिपाता जो उसे ढूंढते हैं। एक और भजन में हम पढते हैं, 'तेरा वचन मेरे पैरों के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए ज्योति है।' परमेश्वर का मार्गदर्शन धुंधला या दूर का नहीं है। उनका वचन हर कदम पर रोशनी डालता है, अक्सर आज के लिए बस इतनी रोशनी होती है, लेकिन हमेशा कॉन्फिडेंस के साथ आगे बढने के लिए काफी होती है।

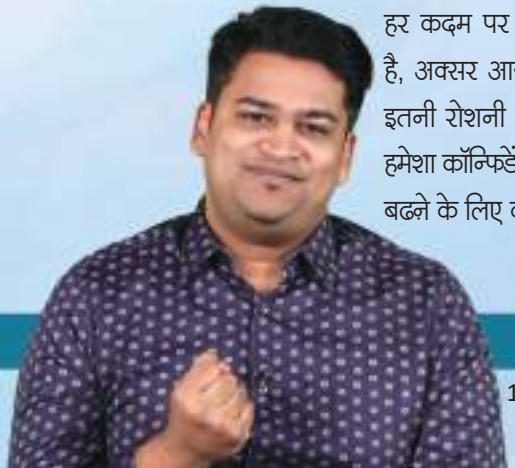

फिर भी, बहुत से युवा जीवन में खोया हुआ महसूस करते हैं, उन्हें अगले कदम का पक्का पता नहीं होता। दबाव, प्रतिस्पर्धा और अलग-अलग आवाजों से घिरे होने के कारण, वे भरोसे के बजाय डर के साथ आगे बढते हैं। सफलता, मकसद और भविष्य के बारे में सवाल उनके दिलों पर भारी पडते हैं। लेकिन धर्मग्रंथ हमें बताता है कि जब परमेश्वर हमें रास्ता दिखाते हैं, तो वह हमें खुशी से भी भर देते हैं। यह पक्का यकीन कि हमारी जिंदगी उनके बताए रास्ते पर चल रही है, डर की जगह शांति ले लेती है।

परमेश्वर का रास्ता जानने का एक हमेशा रहने वाला राज.है उनके चरणों में इंतजार करना सीखना। छोटी उम्र से ही, मैंने

भाई सैमूएल दिनाकरण
samuel@jesuscalls.org samueldhinakaranofficial

परिवार की प्रार्थना के जरिए इस नियम को जीते हुए देखा है। बार-बार, परमेश्वर ने मेरे दादा और पिता के जरिए मेरे दिल में एक सीधी सी बात बिठा दी: 'मेरे चरणों में इंतजार करो।' परमेश्वर के सामने इंतजार करना निष्क्रिय नहीं है; यह भरोसे का एक सक्रिय तरीका है। जब हम रोजाना उनके साथ धर्मग्रंथ पढते, प्रार्थना करते और सुनते हुए समय बिताते हैं, तो वह हमें अंदर से मजबूत करते हैं। धीरे-धीरे, हमारा दिल उनकी आवाज.के साथ जुड.जाता है। जो पहले भ्रामक लगता था, वह अब साफ.लगने लगता है, और उनका मार्गदर्शन जाना-पहचाना लगने लगता है। परमेश्वर हमें बहुत व्यावहारिक तरीकों से रास्ता दिखाते हैं। एक जरूरी एरिया है हमारा करियर और जिंदगी के फैसले। हमारे अपने सपनों, हमारे माता-पिता की उम्मीदों, मेंटर्स, पादरियों और दोस्तों से मिली सलाह के जरिए कई आवाजें इस जगह पर आती हैं। सलाह कीमती तो होती है, लेकिन यह भारी भी लग सकती है। हमें यह भरोसा है: परमेश्वर का कंट्रोल रहता है। वह हमारे माता-पिता के जरिए हमें गाइड कर सकते हैं, भरोसेमंद लीडर्स के जरिए हमें रास्ता दिखा सकते हैं, या सीधे हमारे दिलों से बात कर सकते हैं, लेकिन जब हम उनका इंतजार करते हैं, तो कोई भी अलग आवाज.उनके मकसद को रोक नहीं सकती। वह पक्का करते हैं कि हम उनके चुने हुए रास्ते पर आगे बढें। परमेश्वर हमारा रास्ता बताने का एक और तरीका है कि सही समय पर सही लोगों को हमारी जिंदगी में लाएँ। रिश्ते हमारी यात्रा को आकार देने में एक अहम भूमिका निभाते हैं। परमेश्वर ऐसे लोगों को जोडते हैं जो उनकी सलाह, हिम्मत और समझदारी लेकर चलते हैं। साथ ही, वह हमारे दिलों को गलत असर और गुमराह करने वाली सलाह से बचाते हैं। जैसे-जैसे हम उनका इंतजार करना सीखते हैं, वह हमारी समझ को तेज.करते हैं ताकि हम सही लोगों से सही बातें सुन सकें। अपने समय पर, वह सही लाइफ पार्टनर, दोस्ती और सहयोग सिस्टम भी लाते हैं जो उसकी योजना के हिसाब से होते हैं। मैंने खुद इस तरह की परमेश्वर की गाइडेंस का अनुभव किया है। कॉलेज चुनते समय, मेरे सामने कई ऑप्शन थे। उस समय, एक मिनिस्ट्री में कुछ जवान लोग प्रार्थना कर रहे थे, और परमेश्वर ने भविष्यवाणी करके उन्हें बताया कि मैं उनके कॉलेज में एडमिशन लूँगा। उस अचानक हुए कन्फर्मेशन से, मुझे क्लैरिटी और शांति मिली। मैंने उस दिशा में काम किया, और अब जब मैं पीछे मुडकर देखता हूँ, तो मैं साफ देख सकता हूँ कि कैसे परमेश्वर ने मेरी पढाई को आशीर्वाद दिया और उस फैसले से मेरी जिंदगी को आकार दिया। अगर मैंने गलत सलाह मानी होती, तो नतीजा बहुत अलग हो सकता था। परमेश्वर ने अपनी दया से मेरे रास्ते की रक्षा की।

यही परमेश्वर आपको गाइड करना चाहते हैं। उन्हें अपने बच्चों को अगुवाई करने में खुशी मिलती है। जब आप अपनी जिंदगी उनके हाथों में सौंप देते हैं, तो वह ईमानदारी से हर कदम पर ऐसे दरवाजे.खोलते हैं जो नामुमकिन लगते हैं, साक्षात्कार और प्रवेश में मदद करते हैं, और आपको अपने प्लान में मजबूती से स्थापित करते हैं।

परमेश्वर के गाइडेंस में रहना कितना बडा आशीर्वाद है। जैसे-जैसे आप उन पर भरोसा करेंगे, आप देखेंगे कि वह आपके कदमों को ऑर्डर देकर, आपको सही लोगों से घेरकर, और आपके दिल को शांति और खुशी से भरकर आपकी जिंदगी में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यह महीना ऐसा हो जहाँ आप उनके गाइडेंस को पहले से कहीं ज्यादा साफ तौर पर महसूस करें। भरोसे के साथ आगे बढें, क्योंकि प्रभु खुद आप की जिंदगी का रास्ता बताते हैं।

प्रिय दोस्त, लॉजिक, साइंस और इंसानी सीमाओं से बनी दुनिया में, जो हम देख या समझा सकते हैं, उससे परे विश्वास करना मुश्किल लग सकता है। फिर भी, मैं चाहता हूँ कि आप बाइबिल के इन फैक्ट्स पर अपना विश्वास रखें कि हमारा परमेश्वर नामुमकिन को भी कर सकता है। मैं चाहती हूँ कि आप यीशु के जन्म की कहानी पर विचार करें जो हमें नामुमकिन में विश्वास करने के लिए कहती है। जब हम क्राइस्ट के जन्म के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में चरनी, फरिश्ते, चरवाहे और तारे जैसी कई तस्वीरें आती हैं। लेकिन मेरे लिए, एक सच हमेशा सामने रहता है: एक कुंवारी लडक़ी का बच्चे को गर्भ धारण करना।

एक डॉक्टर के तौर पर, मैं अक्सर इस सच्चाई के बारे में गहराई से सोचती हूँ। मेडिकल नजरिए से, यह पूरी तरह से नामुमकिन है। यह इंसानी बायोलॉजी के हर जाने-माने नियम को चुनौती देता है। फिर भी, परमेश्वर ने अपनी पूरी इच्छा को पूरा करने के लिए इसी नामुमकिन चीज़ को चुना। मैरी नाम की एक कुंवारी लडक़ी के जरिए, दुनिया के बचाने वाले, जीसस क्राइस्ट, इंसानी इतिहास में आए। जो इंसान अपने दम पर कभी नहीं कर सकता था, उसे परमेश्वर ने अपनी दिव्य शक्ति से पूरा किया।

लूका 18:27 में यीशु के शब्द यहाँ जोरदार तरीके से गूंजते हैं: एक कुंवारी लडक़ी से बच्चे के रूप में क्राइस्ट का चमत्कारी पहला आना इस बात का ऐलान है कि परमेश्वर उन कामों को करने में माहिर हैं जिन्हें इंसान नामुमकिन समझते हैं।

आज हम में से कई लोग ऐसे हालात का सामना कर रहे हैं जो उतने ही नामुमकिन लगते हैं। हो सकता है कि आप किसी ऐसी बीमारी से जूझ रहे हों जो सालों से चली आ रही हो, जिसकी रिपोर्टें आखिरी और निराश करने वाली लगती हों। हो सकता है कि आप नौकरी के लिए प्रार्थना कर रहे हों, फिर भी हर दरवाजा बंद लगे, और वह नौकरी आपकी पहुँच से बहुत दूर लगे। हो सकता है कि आप अपने परिवार, अपनी शादी, या अपने दिल में कोई बोझ उठा रहे हों जिसे उठाना बहुत भारी लगे। आपके मन में फुसफुसाहट कहती है, 'यह कभी नहीं बदलेगा।'

मुझे लगता है कि मैं वह स्कोर हासिल नहीं कर सकती जो मैं चाहती हूँ। मैं नामुमकिन के लिए परमेश्वर पर कैसे विश्वास कर सकती हूँ?
- एस्तेर मिरियम पूछती है

डॉ शिल्पा दिनाकरन जवाब देती हैं

लेकिन वही परमेश्वर जिन्होंने मैरी की जिंद्गी में चमत्कार किया, आज भी काम कर रहे हैं। इस महीने मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि परमेश्वर नामुमकिन चीजों को आपकी जिंदगी में रुकावट डालने नहीं देते बल्कि उसे बदलने देते हैं।

बहन सिरोमनी को यूटेराइन कैंसर था और उन्हें आखिरी स्टेज में खउण में भती कराया गया था। डॉक्टरों ने पूरी तरह उम्मीद छोड दी थी और उन्हें लगा कि अब और कुछ नहीं किया जा सकता। पिछले साल नवंबर में, मैंने बहन सिरोमनी के लिए प्रार्थना की और हिम्मत से कहा कि परमेश्वर उन्हें ठीक कर देंगे। उस प्रार्थना के बाद, वह बार-बार बीमार पडी, और डॉक्टरों ने यह पता लगाने के लिए PET स्कैन कराने की सलाह दी कि कैंसर और फैला है या नहीं। उस समय, ऐसा लग रहा था कि कोई उम्मीद नहीं है। हालांकि, जब झएढ स्कैन रिपोर्ट आई, तो वह पूरी तरह से नॉर्मल थी। कैंसर का कोई निशान नहीं मिला। डॉक्टर हैरान रह गए और उनकी बेटी से पूछा कि ऐसे अचानक नतीजे का क्या कारण हो सकता है। उनकी बेटी ने बस जवाब दिया, 'हमने परमेश्वर से प्रार्थना की।' नॉर्मल रिपोर्ट देखकर हर कोई हैरान रह गया। आज, बहन सिरोमनी पूरी तरह से परमेश्वर की कृपा से घर पर अच्छी सेहत के साथ है।

जिसे अंत माना जा रहा था, परमेश्वर ने उसे फिर से जिंद्रा कर दिया। जो टूट गया था, परमेश्वर ने उसे ठीक कर दिया। यही वह परमेश्वर है जिसकी हम सेवा करते हैं। वह नामुमकिन को मुमकिन बनाने वाले परमेश्वर हैं। अगर आप बीमारी, परिवार की मुश्किलों, इमोशनल दर्द या बहुत ज़्यादा अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं, तो इसे परमेश्वर के सामने लाएँ। अपने भविष्य को इंसानी सीमाओं से न आँकें। पिछली रिपोर्ट्स को यह तय न करने दें कि परमेश्वर क्या कर सकते हैं।

मैरी को समझ नहीं आया कि वह कैसे प्रेग्नेंट होंगी, लेकिन उन्होंने विश्वास के साथ हार मान ली। गवाही में शामिल कपल को आगे का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था, लेकिन उन्होंने फिर भी परमेश्वर पर भरोसा किया। विश्वास असलियत से इनकार नहीं करता; यह मानता है कि परमेश्वर असलियत से बडे हैं।

जिंदगी के हर मोड पर, उम्मीद बनाए रखें। विश्वास बनाए रखें। विश्वास करें कि परमेश्वर अभी भी पर्दे के पीछे काम कर रहे हैं, तब भी जब आप तुरंत बदलाव नहीं देख सकते। वही परमेश्वर जिन्होंने एक चमत्कार के जरिए यीशु को दुनिया में लाया, आज भी आपके साथ मौजूद हैं। आप किसी सीमित परमेश्वर की सेवा नहीं करते। आप नामुमकिन परमेश्वर की सेवा करते हैं। याद रखें कि परमेश्वर के साथ, सब कुछ मुमकिन है। परमेश्वर के साथ नामुमकिन को भी हासिल करें। परमेश्वर आपका भला करे।

"मैं तुझे ले कर अंगूठी के समान रखूंगा, क्योंकि मैं ने तुझी को चुन लिया है," हाग्गै 2:23

क्या आप चाहते हैं कि आपके बच्चे परमेश्वर के ज्ञान, बुद्धि और कृपा में निपुण हों?

2026 Dynamic Kids Camp

April/May 2026

आइए, अपने 6 से 12 वर्ष के बच्चों को भारत भर के सभी प्रार्थना केंद्रों में आयोजित होने वाले 6 दिवसीय डायनामिक किड्स कैंप में लाएँ।

छुट्टियों के दौरान अपने बच्चों को यीशु का अनुभव कराने के इस अद्भुत अवसर को न चूकें। उन्हें यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन में लाएँ और इस रोमांच की शुरुआत करें।

आपके नन्हे-मुन्ने संगीत, गायन, नृत्य, अभिनय, शिल्प, चित्रकला और खेलों के माध्यम से पवित्रशास्त्र के चमत्कारों में डूब जाएँगे। वे बाइबल के पात्रों के बारे में जानेंगे, और साथ ही खूब मस्ती करेंगे और नए दोस्त भी बनाएँगे।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए गए

वितरण देखें:

स्थान: आपके क्षेत्र के पास स्थित यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन ,
अवधि: 6 दिन

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

* अपने स्थानीय प्रार्थना भवन
* हमारी वेबसाइट देखें: www.jesuscalls.org
* हमें ईमेल भेजें: prayeracademy@jesuscalls.org

विषय:

मुहर की अंगूठी

मिनिस्ट्री के साथ जुड़कर इस गर्मी में 20,000 बच्चों के जीवन में स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं, इसके लिए आप अपना दान भेज सकते हैं।

नाम:.....आप डायनामिक किड्स कैंप.....

भागीदार-नं:.....जन्मतिथि:.....

पता:.....मोबाइल:.....ईमेल:.....

☐ प्रति बच्चे के लिए 300/-रुपये ☐ 2 बच्चों के लिए 600/- रुपये

☐ मैं ..... रुपये ..... बच्चों के लिए भेजूँगा।

आप अपना दान भेजकर भी डीकेसी को 20,000 बच्चों तक पहुँचने में सहयोग कर सकते हैं।

Scan QR Code

KIDS SECTION

जिम और जेमी

अकेले में भी सच बोलना

कहानी की सीख:
जब कोई नहीं देख रहा हो तब भी सच बोलने से सही समय पर परमेश्वर का इनाम मिलता है।

याद करने के लिए वचन:
"ताकि तेरा दान गुप्त रहे; और तब तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा।" मत्ती 6:4

मसीह द्वारा दिया गया उज्ज्वल जीवन

''तुम पवित्र शास्त्र को खोजते हो, क्योंकि तुम समझते हो कि उनमें अनंत जीवन है; और ये ही मेरे विषय में गवाही देते है।'' (यूहन्ना 5:39)

जैसा कि हम यूहन्ना 5:39 में पढते हैं, जब हम पवित्र शास्त्र को आदर के साथ पढते और उन पर मनन करते हैं, तो वे हमें 'अनंत जीवन' पाने के दिव्य मार्ग की ओर अद्भुत रूप से ले जाएंगे। हाँ, प्यारे लोगों! हर दिन, हमें प्रभु के वचन, यानी पवित्र शास्त्र को लगन और आदर के साथ पढना चाहिए। तब, प्रभु अपने वचन के द्वारा हमसे बात करेंगे। वह हमें धन्य, दिव्य अनुभव प्रदान करेंगे। इस धन्य जीवन को पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

आइए हम मसीह के लिए उठें और चमकें

बाइबल कहती है कि 'अंधकार के निष्फल कामों से कोई संगति न रखते हुए, हमें मसीह के लिए उठना और चमकना चाहिए' (इफिसियों 5:11,14)। आइए हम अन्धकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन उन पर उलाहना दो। तब मसीह हमारे जीवन को उज्ज्वल बनाएगा। आदम और हव्वा के जीवन को देखिए! परमेश्वर ने उन्हें एक धन्य और आनंदमय स्थिति में रखा था। हालाँकि, उसने उन्हें सिर्फ एक फल को न छूने की आज्ञा दी थी। दूसरी ओर, उन्होंने उस वर्जित फल की लालसा की और उसे निभीकता से खा लिया। इसका कारण यह था कि शैतान ने उनमें लालसा पैदा की और उन्हें अंधकार में रहने के लिए मजबूर किया (भजन 143:3)।

''... पुराने मनुष्यत्व को जो भरमाने वाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो।''

(इफिसियों 4:22)'नये मनुष्यत्व को पहिन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता, और पवित्रता में सृजा गया है' (इफिसियों 4:24)। यूहन्ना के चौथे अध्याय में, हम एक सामरी स्त्री के बारे में पढते हैं, जो प्रभु यीशु से मिलती है। जब वह उनसे मिली, तो वह पाप के अंधकार में जी रही थी। हालाँकि, जिस क्षण उसने यीशु के वचन सुने, वह एक 'विश्वासी' बन गई जिसने दूसरों को उनके बारे में गवाही दी। हम बाइबल में पढते हैं कि 'और उस नगर के बहुत से सामरियों ने उस स्त्री के वचन के कारण उस पर

Stella Dhinakaran / stella@jesuscalls.org

विश्वास किया' (यूहन्ना 4:39)। इसी तरह, प्रेरितों के काम 9 वें अध्याय में, जब यीशु, 'ज्योति' का सामना शाऊल, विनाश के पुत्र से हुआ, तो वह 'दया का पात्र' बन गया (रोमियों 9:23)। क्या हम बाइबिल में नहीं पढते कि अंधेरे की जिंदगी से छुटकारा पाने के बाद, वह एक 'फल देने वाले पेड' की तरह जिया ताकि बहुतों को परमेश्वर के रास्ते पर ले जा सके? साथ ही, जब उसने इस तरह अपनी परमेश्वर की सेवाएँ पूरी कीं, तो वह कई दुखों और परेशानियों से गुजरा।

यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करने तक ही न रुकें, बल्कि खुद को प्रभु में जड़ जमाने के लिए भी समर्पित करें

प्यारे लोगों, क्या आज आप शैतान की गुलामी में हैं और अंधेरे में जी रहे हैं? या आप यीशु के खून से धोए गए हैं और रोशनी के बच्चों की तरह जी रहे हैं और एक फलदायक जीवन जी रहे हैं? अपनी जिंदगी की जाँच करें!

एक शादीशुदा जोडा बिना किसी परमेश्वर की दी हुई शांति के रह रहा था। हालाँकि, पत्नी ने आदर के साथ प्रभु की तलाश की और उसके लिए एक 'फल देने वाली पात्र' बन गई। दूसरी ओर, पति शैतान के तरीकों में फँसा हुआ था और घोर अंधेरे के रास्ते पर चल रहा था। प्रभु ने उस पत्नी की लगातार और आदर भरी प्रार्थनाओं की पुकार सुनी और पति के कठोर दिल को तोड़ दिया। उसने उसे इस तरह से रास्ता दिखाया कि उसने पछतावा किया और अपनी पत्नी के साथ प्रभु की तलाश की, और परमेश्वर के रास्तों पर चला। उनके परिवार से सारा अंधेरा दूर हो गया! दोनों एक साथ परमेश्वर के और पवित्र रास्तों पर चले और परमेश्वर की महिमा के लिए जिए!

प्यारे लोगों, थोडी देर के लिए अपनी निजी जीवन की जाँच करें! क्या यह परमेश्वर, शांति और आनंद से भरी है? या यह पाप के अंधेरे से भरी है और शैतान की गुलाम है? जैसा कि हम कुलुस्सियों 1:13 में पढते हैं, परमेश्वर सभी को अंधेरे की शक्ति से छुटकारा दिलाए और आप सभी को अपने बेटे के राज्य में पहुँचाए!

मसीह में जड़ जमाया हुआ जीवन

जैसा कि कुलुस्सियों 2:6,7 में पढा गया है, आपको मसीह में जड़ जमाए हुए और उसमें बनाए गए जीवन मिले! उसमें जड़ जमाने का यह जीवन कैसे प्राप्त करें?

हमें अपने जीवन में इफिसियों 3:16,17, और 19 में बताए गए परमेश्वर के अनुभवों को प्राप्त करने की जरूरत है। हमारे प्रभु यीशु मसीह का जीवन इसका एक बेहतरीन उदाहरण है!

''कि परमेश्वर ने नासरत के यीशु को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से कैसे अभिषेक किया, जो भलाई करता हुआ और शैतान के सताए हुए सभी लोगों को चंगा करता हुआ फिरा, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था।''

(प्रेरितों के काम 10:38)

हालाँकि वह परमेश्वर के पुत्र के रूप में आया, उसके पास पवित्र आत्मा और उसकी शक्ति से भरा हुआ परमेश्वर का जीवन था, जैसा कि ऊपर के पद में पढा गया है। प्रेरितों के काम 1:5,8 में, हम उन्हें पुनरुत्थित प्रभु के रूप में देखते हैं, जिसने मृत्यु पर विजय प्राप्त की और अपने चेलों को परमेश्वर के चरणों में इंतजार करके दिव्य शक्ति से भरे जाने का दिव्य जीवन पाने के बारे में सिखाया। इसी के अनुसार, जब वे एक मन होकर प्रार्थना में लगे रहे (प्रेरितों के काम 1:14), तो परमेश्वर ने उन पर अपना पवित्र आत्मा उंडेला। हम इन दिव्य अनुभवों के बारे में प्रेरितों के काम दूसरे अध्याय में पढते हैं। इस प्रकार, चेलों ने पवित्र आत्मा से भरे जाने के द्वारा उनमें जड़ जमाने वाला जीवन प्राप्त किया। उसके बाद, उन्हें परमेश्वर के लिए फल लाने का दिव्य जीवन भी मिला, जो पवित्र आत्मा के वरदानों और उसके फलों से भरा हुआ था। विनाश का पुत्र यहूदा ही इसे खो बैठा।

परमेश्वर की कृपा से, हमारा परिवार भी पवित्र आत्मा से भरा हुआ है और मसीह में जड़ जमाए हुए जीवन जी रहा है। यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री भाई दिनाकरन को सौंपी गई थी।

एक परिवार के रूप में, हमने उनमें जड़.जमाने वाला यह जीवन प्राप्त किया, जिसके परिणामस्वरूप बहुत से लोगों ने भी वही जीवन प्राप्त किया; इसके कारण कई सेवक उठे; कई परिवार भी आध्यात्मिक रूप से उन्नत हुए हैं और प्रभु में बनाया गया है।

प्रभु हमें अपनी आत्मा से भरते हैं, हमें उसके लिए फल देने वाला दिव्य जीवन देते हैं और इस तरह हमें अपने के लिए चमकाते हैं

आप विश्वास में बढ़ते जाओगे

'विश्वास में स्थापित रहो, जैसा तुम्हें सिखाया गया है, और धन्यवाद के साथ उसमें बढ़ते जाओ।

(कुलुस्सियों 2:7)

बाइबल कहती है, 'प्रार्थना में लगे रहो, और धन्यवाद के साथ उसमें जागते रहो' (कुलुस्सियों 4:2)। परमेश्वर के जन दाऊद को देखें! वह कहता है, 'मैं हर समय यहोवा को धन्य कहूंगा; उसकी स्तुति लगातार मेरे मुंह से होती रहेगी' (भजन 34:1)।

जब बहुत से लोग इस तरह एक साथ मिलकर और जोश भरे अभिषेक के साथ प्रभु की स्तुति करते हैं, तो परमेश्वर का अनुग्रह बढ़ेगा (2 कुरिंथियों 4:15)। हम बाइबल में यह भी पढ़ते हैं कि प्रभु स्तुतियों के बीच वास करता है और 'तू पवित्र है, जो इस्राएल की स्तुतियों में विराजमान है' (भजन 22:3)।

परमेश्वर के जन दानिय्येल के शानदार जीवन को देखें! उसे अपने जीवन में एक भयानक समस्या का सामना करना पड़ा। लेकिन, जैसा कि दानिय्येल 6:3 में पढ़ा गया है, क्योंकि उसने सच्चे दिल से और आदर के साथ परमेश्वर को खोजा, इसलिए उसमें एक उत्तम आत्मा थी। राजा उसे अपने पूरे राज्य का शासक बनाना चाहता था। इस कारण, राज्यपालों और हाकिमों ने उसके खिलाफ आरोप लगाने का कोई कारण खोजने की कोशिश की। इसलिए, उसने परमेश्वर की व्यवस्था और धर्मग्रंथों में कुछ खोजने की कोशिश की। जैसा कि दानिय्येल 6:7 में पढ़ा गया है, उन्होंने राजा दारा से एक लिखित दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करवाए कि जो कोई भी तीस दिनों तक राजा के अलावा किसी अन्य देवता या मनुष्य से प्रार्थना करेगा, उसे शेरों की मांद में डाल दिया जाएगा।

यह सब जानते हुए भी, दानिय्येल, 'अपने ऊपरी कमरे में, यरूशलेम की ओर खिड़कियां खुली रखकर, उस दिन तीन बार घुटने टेककर प्रार्थना की और अपने परमेश्वर के सामने धन्यवाद दिया' (दानिय्येल 6:10)। उन सभी दुष्ट लोगों ने यह देखा; उन्होंने राजा को इसकी सूचना दी और राजा द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज़ के अनुसार दानिय्येल को शेरों की मांद में डालने की अनुमति प्राप्त की। कोई विकल्प न होने पर, राजा ने उसे शेरों की मांद में डलवा दिया और यहाँ परमेश्वर ने एक चमत्कारी काम किया। सुबह, राजा मांद में गया और विलाप करते हुए आवाज़ में चिल्लाया, 'दानिय्येल, जीवित परमेश्वर के सेवक, क्या तुम्हारे परमेश्वर, जिसकी तुम लगातार सेवा करते हो, तुम्हें शेरों से बचाने में सक्षम रहा है?' डैनियल ने राजा से कहा, 'हे राजा, मेरे परमेश्वर ने अपना स्वर्गदूत भेजा और शेरों का मुँह बंद कर दिया, ताकि वे मुझे नुकसान न पहुँचाएँ, क्योंकि मैं उनके और आपके सामने निर्दोष पाया गया।' राजा उसके लिए बहुत खुश हुआ और उसे शेरों की मांद से बाहर निकाला। दूसरी ओर, उसने उन लोगों को, जिन्होंने डैनियल पर आरोप लगाया था, शेरों की मांद में फेंक दिया। शेरों ने उन पर हमला किया और उनकी सारी हड्डियाँ तोड़ दीं।

हाँ, प्यारे दोस्तों, जब हम मसीह के लिए जोश से जीते हैं, तो वह खुद हमें 'ज्योति की संतान' में बदल देंगे। इसके बाद, वह खुद अपनी आत्मा से, हमें उनके लिए फल देने वाला जीवन देते हैं और पवित्र आत्मा की परिपूर्णता से हमें उनके लिए चमकाते हैं। साथ ही, हमें अपनी दिव्य महिमा से भरकर, वह हमें महिमा से महिमा तक बदला हुआ जीवन देते हैं। प्रभु इस तरह हमारी मदद करे कि हम अंधेरे में न रहें, बल्कि उनके नाम की महिमा के लिए तारों की तरह उठें और चमकें!

प्रतिदिन के सुवचन

मार्च 2026

1 **यशायाह 65:21 – आप घर बनाएंगे और उनमें रहेंगे**
मनन: 2 शमूएल 5:11; 1 राजा 11:38; यिर्मयाह 29:5

2 **यहोशू 1:6 – मजबूत और हिम्मतवाले बनें**
मनन: व्यवस्थाविवरण 31:6; भजन 31:24; प्रेरितों के काम 27:22-25

3 **यूहन्ना 14:18 – परमेश्वर जो अनाथों को नहीं छोड़ता**
मनन: भजन 10:14,18; 68:5; यिर्मयाह 49:11; होशे 14:3

4 **एज्रा 7:28 – प्रभु का हाथ**
मनन: 1 इतिहास 4:10; एज्रा 7:6; नहेम्याह 2:18

5 **भजन संहिता 1:3 – आप जो कुछ भी करेंगे, वह सफल होगा**
मनन: व्यवस्थाविवरण 29:9; 2 इतिहास 26:5; भजन 37:5

6 **भजन संहिता 119:105 – आप के मार्ग के लिए एक ज्योति**
मनन: निर्गमन 13:21-22; नहेम्याह 9:12,19; यशायाह 42:16

7 **व्यवस्थाविवरण 33:29 – आप धन्य लोग हैं**
मनन: नीतिवचन 8:34; यशायाह 30:18; मत्ती 5:8; यूहन्ना 10:27

8 **यिर्मयाह 29:13 – जब आप परमेश्वर को खोजेंगे, तो उसे पाएंगे**
मनन: व्यवस्थाविवरण 4:29; नीतिवचन 8:17; यशायाह 55:6

9 **यूहन्ना 20:29 – धन्य है वे जो विश्वास करते है**
मनन: दानिय्येल 6:23; मत्ती 8:13; मरकुस 9:23-24

10 **1 शमूएल 2:30 – प्रभु आप सम्मान देंगे**
मनन: 1 इतिहास 29:12; यशायाह 43:4; यूहन्ना 12:26

11 **यशायाह 57:18 – प्रभु जो हमें राह दिखाते है**
मनन: भजन 48:14; यशायाह 48:17; यूहन्ना 16:13

12 **अय्यूब 5:9 – परमेश्वर जो चमत्कार करते है**
मनन: निर्गमन 34:10; भजन 72:18; 86:10; मीका 7:15

13 **यिर्मयाह 15:20 – कांसे की एक मजबूत दीवार**
मनन: भजन 18:34; 107:15; प्रकाशितवाक्य 1:15; 2:18

14 **2 शमूएल 7:9 – प्रभु आप के दुश्मनों को खत्म कर देगा**
मनन: लैव्यव्यवस्था 26:8; व्यवस्थाविवरण 28:7; भजन 68:1

15 **उत्पत्ति 15:1 – प्रभु हमारी ढाल है**
मनन: 2 शमूएल 22:31; भजन 28:7; नीतिवचन 2:7

16 **निर्गमन 6:7 – प्रभु हमारा परमेश्वर है**
मनन: लैव्यव्यवस्था 26:12; यिर्मयाह 11:3; 2 कुरिन्थियों 6:16

17 **भजन संहिता 4:8 – सिर्फ प्रभु**
मनन: व्यवस्थाविवरण 6:4; यशायाह 37:20; मरकुस 12:29

18 **इफिसियों 2:22 – आप परमेश्वर का निवास स्थान हैं**
मनन: निर्गमन 25:8; लैव्यव्यवस्था 26:11; प्रकाशितवाक्य 21:3

19 **अय्यूब 8:21 – परमेश्वर आप के मुख को हँसी से भर देगा**
मनन: उत्पत्ति 21:6; भजन 126:2; लूका 6:21

20 **20. मत्ती 7:7 – माँगो और तुम्हें दिया जाएगा**
मनन: मत्ती 21:22; मरकुस 11:24; यूहन्ना 14:13-14

21 **लैव्यव्यवस्था 20:26 – आप प्रभु के हैं**
मनन: व्यवस्थाविवरण 7:6; 14:2; भजन 33:12; यशायाह 43:1

22 **यूहन्ना 16:24 – आनंद की भरपूरी**
मनन: नहेम्याह 12:43; भजन 51:12; फिलिप्पियों 4:4

23 **फिलिप्पियों 4:19 – आप की जरूरतें पूरी की जाएंगी**
मनन: व्यवस्थाविवरण 2:7; रूत 2:12; अय्यूब 5:24

24 **होशे 14:4 – प्रभु आप को चंगा करेंगे**
मनन: निर्गमन 23:25; यशायाह 53:1-5; मत्ती 9:35

25 **होशे 8:1 – तुरही**
मनन: नहेम्याह 4:20; योएल 2:1; 1 कुरिन्थियों 15:51

26 **यिर्मयाह 32:41 – भला करें**
मनन: 2 इतिहास 31:20; मत्ती 5:44; 1 थिस्सलुनीकियों 5:15

27 **अय्यूब 24:22 – प्रभु आप को मजबूत करेंगे**
मनन: भजन 18:1; फिलिप्पियों 4:13; 2 तीमुथियुस 4:17

28 **व्यवस्थाविवरण 15:10 – आपकी मेहनत पर आशीर्वाद मिलेगा**
मनन: व्यवस्थाविवरण 14:29; भजन 128:1-2; 1 कुरिन्थियों 15:58

29 **यूहन्ना 12:15 – मत डरें**
मनन: उत्पत्ति 15:1; निर्गमन 14:13; मत्ती 14:22-27

30 **नीतिवचन 18:10 – हमारा दृढ गढ**
मनन: 2 शमूएल 22:3; भजन 18:2; 61:3; यिर्मयाह 6:27

31 **भजन संहिता 18:19 – एक चौड़ स्थान**
मनन: 2 शमूएल 22:20; भजन 118:5; आमोस 9:6

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि विनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

Website: www.jesuscalls.org/en/dpv
Facebook: Jesus Calls page
Youtube: Subscribe to JesusCalls

Family Channel Mobile App
Family Channel: Online at www.familychannel.org

SEESHA
LET'S GIVE LIFE

आर्थिक आजादी के लिए उन्हें मजबूत बनाना!

भारत में गरीब घरों में, महिलाओं को आर्थिक आजादी पाने के लिए बहुत सारी मुश्किलों का सामना करना पडता है। शिक्षा, क्षमता, ज्ञान और नौकरी के मौकों तक कम पहुँच उन्हें निर्भरता में फंसा देती है, जिससे आर्थिक मजबूती में रुकावट आती है। सालों से, सीशा ने मार्केट से जुडी स्किल्स ट्रेनिंग और अनुवर्ती सर्विसेज.के जरिए सैकडों जरूरतमंद औरतों को मजबूत करना है - जिसमें स्वरोजगार सपोर्ट और प्लेसमेंट असिस्टेंस शामिल है। इन कोशिशों के जरिए, उन्होंने मार्केट एक्सेस, उदार तक पहुँच और स्टार्टअप्स के लिए माइक्रोफाइनेंसिंग को बेहतर बनाया है, जो परिवारों को गरीबी से लडने में मदद करते हैं।

2025 में, 750 से ज़्यादा जरूरतमंद औरतों को सिलाई, आरी वर्क, ब्यूटीशियन कोर्स, जूट प्रोडक्ट्स बनाने और डिजिटल लिटरेसी स्किल्स की ट्रेनिंग दी गई। जो व्यवसायी बनना चाहते हैं, उन्हें एक रिवॉल्विंग लोन के तौर पर एक कॉर्पस फंड से सपोर्ट दिया जाता है; हाल ही में, 61 औरतों को छोटे बिजनेस के लिए सीड मनी मिली। इसके अलावा, कमजोर ग्रुप्स - विधवाएँ, छोडी हुई औरतें और दिव्यांग औरतें - को गुजारे के लिए मदद के तौर पर सिलाई मशीनें, ड्ड्डत्रऋसे चलने वाले लोहे के बक्से और पुशकार्ट मिलते हैं।

बेहतर भविष्य के लिए रंग!

'कैंसर से अपनी माँ को खोने के बाद मै बहुत निराश और पैसे की तंगी से गुजर रही थी। सीशा के 6 महीने के फ्री ब्यूटीशियन कोर्स ने नई उम्मीद दी। ट्रेनिंग और अनुभव पाने के बाद, अब मै 'कलर मी क्रेजी' ब्यूटी पार्लर में ब्यूटीशियन के तौर पर काम करती हूँ, और रु 10,000/महीना कमाती हूँ। मुझे मजबूती से खडा होने में मदद करने के लिए धन्यवाद, सीशा!'

- सुश्री संगीता इंदवार, रांची

सीशा की मुफ्त ब्यूटीशियन ट्रेनिंग ने सुश्री संगीता की जिंदगी को निराशा से उम्मीद में बदल दिया है। आपके उदार योगदान से हमें उनके जैसी और भी कई महिलाओं को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है।

जैसे-जैसे आर्थिक वर्ष खत्म हो रहा है, ध्यान दें कि सीशा को दिए गए डोनेशन पर सेक्शन 80G के तहत टैक्स में छूट मिलती है। बेहतर भविष्य के लिए और अपने आय बचाने के लिए 31 मार्च से पहले योगदान दें! आप ये कर सकते हैं:

- **किसी जरूरतमंद महिला की स्किल ट्रेनिंग में मदद करें: रु 2000/महीना**
- **10 जरूरतमंद महिलाओं के लिए सिलाई मशीन/पुशकार्ट स्पॉन्सर करें: रु 1,50,000/-**

ALL DONATIONS ARE TAX-EXEMPTED UNDER SECTION 80G

DONATE TO SEESHA

UPI ID : 9384015155@okbizaxis

G Pay PhonePe Paytm UPI pay
Wallets
Freecharge MobiKwik JioMoney

You can also donate through: https://seesha.app

044 66660000
+91 9300 600 600
www.seesha.org
info@seesha.org
* When you Donate send the Details to +91 9300 600 600
SEESHA house No.37, Gandhi Road, Tambaram (West), Chennai - 600045

घर से दूर एक घर!

सीशा का बुजुर्गों केयर होम, सिरुवानी फॉल्स, कारुण्या नगर, कोयंबटूर की शांत, सुकून भरी तलहटी में है। यह केयर होम जरूरतमंद बुजुर्ग लोगों को मामूली कीमत पर दयालु सर्विस देता है, जिसमें आवासीय जीवन, पौष्टिक खाना और वृद्धावस्था देखभाल शामिल है। ज्यादा जानने के लिए हमें +91-9500 127275 पर कॉल करें!

Printed by G.L.B.Ernest and Published by G.L.B.Ernest on behalf of Jesus Calls and Printed at Rasi Graphics Private Limited, DP 69-71-A, Sidco Industrial Estate, Thirumazhisai, Poonamallee Taluk, Thiruvallur District. and published at 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, Chennai - 28, Editor: G.L.B.Ernest

Karunya
DEEMED UNIVERSITY
SOLVING HUMAN PROBLEMS
NAAC Accredited A++
CATEGORY 1 Institution
Accreditation
ACCA
NBA
I-GAUGE
THE
World University Rankings 2025
UNIVERSITY RANKINGS
ADMISSIONS OPEN 2026
Dreaming of Going abroad while Studying?
Study at Karunya, Work Across the World
Turn your global dreams into reality at Karunya University! Experience International Internships, Semester Abroad Programs, and Global Industry Exposure - gain practical skills, earn while you learn, and build a career without borders!
₹ 31 Lakhs (PA) (€ 28896)
Internship Offer from a Top German Company
Maria Milan Elizabeth
B.Sc. (Hons.) Agriculture
Karunya Students Pursue Semester Abroad Program at
WOOSONG UNIVERSITY
South Korea
Karunya bags CAD
₹ 5.5 Lakhs ($ 6000) per semester (6 months)
per internship unit
Cape Breton University from Canada
Badi Venkata Prasanna
(B.Tech AI & Data Science)
Akash Keshavamurthy
(B.Tech CSE - AI & ML)
Devi Priya D.
II M. Tech (IWRM)
Water Institute
Vaishnavi N.
II M. Tech (IWRM)
Water Institute
Sathish Kumar R.
II M. Tech (FPE)
Food Processing Technology
Programs Offered : ENGINEERING | AGRICULTURE | MANAGEMENT | ARTIFICIAL INTELLIGENCE | COMMERCE
HEALTH SCIENCES | DIGITAL SCIENCES | PHYSICAL SCIENCES | MEDIA | Online B.Com. / MBA
Karunya Institute of Technology and Sciences,
Karunya Nagar, Siruvani Main Road, Coimbatore - 641 114. Tamil Nadu, India.
E-mail: admissions@karunya.edu • Website: www.karunya.edu
Toll Free: 1800 42 54 300, 1800 88 99 888
APPLY NOW!
Scan QR Code to Start the Admission Process

REGISTERED Newspaper PRGI No. TNHIN/2003/11592

आयोजक:
होप ऑफ ग्लोरी मिनिस्ट्री

आपका दुख आनंद में बदल जाएगा

महाराष्ट्र
प्रार्थना महोत्सव
2026 सांगली

मार्च
13-15

समय: प्रतिदिन
शाम 5:30 बजे

परमेश्वर का वचन और प्रार्थना:
डॉ पॉल दिनाकरन और परिवार

स्थान:

कवलपुर एयरपोर्ट ग्राउंड
तासगांव-सांगली रोड, सांगली-तालुक: मिराज
सांगली जिला 416306 महाराष्ट्र

NPMA - पादरी और अगुवों की सभा
13 मार्च 2026 (शुक्रवार) सुबह 9 बजे

सहभागी आशीष सभा
14 मार्च 2026 (शनिवार) सुबह 9 बजे

SCAN THIS QR CODE & SUPPORT

प्रार्थना करें, आएं, समर्थन करें